Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 22 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, रविवार 30 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

विकल्प में ही दुनिया झलकती है, निर्विकल्प हो जाने पर दुनिया नही आत्मा झलकती है।

This world reflects in the state of uncertoity having certainty the soul repless not the world.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

नए मंत्रियों के नाम जल्द आएगा सामने : सीएम साय

रायपुर (विसं)। दिल्ली से रायपुर लौटे सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, कल दिल्ली में छत्तीसगढ़ के सभी भाजपा सांसदों की परिचयात्मक बैठक थी। जिसमें मैं और प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री और शिवप्रकाश भी उपस्थित रहे। बता दें कि कल सीएम साय देर शाम दिल्ली रवाना हुए थे। जानकारी के मुताबिक सीएम ने पीएम मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा से बैठक उपरांत मुलाकात की है। इस दौरान कैबिनेट विस्तार पर चर्चा भी हुई है। सीएम के बयान को देखते कयास लगाए जा रहे है कि जल्द ही कैबिनेट बिस्तार होने वाला है। नए मंत्रियों के नाम जल्द सामने आएंगे।

हीरासर हवाईअड्डे पर यात्री पैसेज की कैनोपी टूटी

राजकोट (आरएनएस)। राजकोट अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया. यहां भी दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 जैसी दुर्घटना होते-होते बच गई. हीरासर स्थित इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल के बाहर पैसेंजर पिकअप-ड्रॉप एरिया में ऊपर लगी कैनोपी ढह गई. गनीमत रहा कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ. पीएम मोदी ने जुलाई 2023 में राजकोट एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का लोकार्पण किया था. इस एयरपोर्ट का 1400 करोड़ से ज्यादा की लागत से विस्तार हुआ था.

मानसून सत्र में छत्तीसगढ़ सरकार लाएगी अनुपूरक बजट, संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में 22 जुलाई से शुरू होने जा रहे विधानसभा के मानसून सत्र में राज्य सरकार की ओर से अनुपूरक बजट लाने की तैयारी की जा रही है। यह चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट होगा। अनुपूरक बजट का आकार क्या होगा, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। अनुपूरक बजट को लेकर वित्त विभाग ने सभी विभागों से प्रस्ताव मांगा है। इसके आधार पर बजट प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

22 जुलाई से शुरू होने जा रहा विधानसभा का मानसून सत्र

बताते चलें कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सरकार ने कुल एक लाख 60 हजार 568 करोड़ रुपये का मुख्य बजट पेश किया था। इसमें कर्ज और उसके ब्याज की अदायगी को कम करने के बाद बजट का कुल आकार एक लाख 47 हजार 446 करोड़ रुपये का है। इतने बड़े बजट के बावजूद छत्तीसगढ़ सरकार को तीन माह बाद ही अनुपूरक बजट लाना पड़ रहा है।

विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन की कुल पांच बैठकें होगीं। इस दौरान सरकार की तरफ से अनुपूरक बजट के साथ ही कुछ संशोधन विधेयक पेश किए जाने की तैयारी है। इसमें नगरीय निकायों के चुनाव से जुड़ा संशोधन विधेयक महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि राज्य में इसी वर्ष के अंत में नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं।

बताया जाता है कि राज्य सरकार नगरीय निकाय चुनाव में ईवीएम के जरिये मतदान कराने और महापौर का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने का फैसला कर सकती है। इस निर्णय को अमल में लाने सरकार को कानून में संशोधन करना होगा।

प्रश्न लगाने का सिलसिला शुरू : विधानसभा के मानसून सत्र की अधिसूचना जारी होने के साथ ही विधायकों की तरफ से प्रश्न लगाए जाने का क्रम शुरू हो गया है। दो दिनों में कुल 157 प्रश्नों की सूचना विधानसभा सचिवालय को मिली है। विधायक तीन जुलाई तक सवाल लगा सकते हैं। मानसून सत्र 26 जुलाई तक चलेगा।

सदन हंगामेदार रहने के आसार : विधानसभा के मानसून सत्र के बेहद हंगामेदार रहने की संभावना जताई जा रही है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस की तरफ से सरकार को घेरने की पूरी तैयारी की जा रही है। कांग्रेस ला एंड आर्डर विशेष रुप से बलौदाबाजार की घटना को लेकर सदन में सरकार पर हमलावर रह सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके संकेत दिए हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था, बिजली कटौती, खाद-बीज की समस्या, योजनाओं के नाम बदले जाने आदि मुद्दे छाए रहेंगे।

लद्दाख में अचानक आई बाढ़ में पांच सैन्यकर्मियों की मौत

लेह (आरएनएस)। लद्दाख में न्योमा-चुशुल क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास शनिवार तड़के एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां युद्ध अभ्यास के दौरान एक टी-72 टैंक नदी पार कर रहा था, तभी नदी का जलस्तर बढ़ गया। इस हादसे में सेना के पांच जवान पानी के तेज बहाव में बह गए और पांचों ने शहादत का जाम पी लिया। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना मंदिर मोड़ के पास सुबह करीब 3 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि टी-72 टैंक, जिसमें पांच सैनिक सवार थे। जब वे नदी पार कर रहे थे तो अचानक आई बाढ़ के कारण डूब गए। डिफेंस ऑफिशियल ने बताया कि पांचों जवानों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बता दें कि जिस ञ्ज-72 टैंक के साथ जवान प्रैक्टिस कर रहे थे। वह भारत में अजेय नाम से जाना जाता है। इसे 1960 में रूस में बनाया गया और 1973 में सोवियत सेना में शामिल किया गया था। यूरोप के बाद भारत ऐसा पहला देश था, जिसने रूस से यह टैंक खरीदा था।

विष्णु का सुशासन : जनदर्शन से आम जनता में हो रहा नई आशा का संचार

महतारी वंदन योजना की संवेदनशील पहल को साकार कर मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों के जीवन में जो उजाला फैलाया

रायपुर (विश्व परिवार)। अपने पहले ही जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संवेदनशील पहल और त्वरित निर्णयों से लोगों के मन में एक नई आशा का संचार कर दिया है। प्रदेश के सभी कोने से लोग मुख्यमंत्री के जनदर्शन में जुटे। जनदर्शन का समय एक बजे तक रखा गया था लेकिन पहले ही जनदर्शन को लेकर लोगों में इतनी उत्सुकता थी कि इस समय तक काफी लोग जुट गये थे। इसमें से कुछ के मन में आशंका थी कि मुख्यमंत्री के शेड्यूल के काफी टाइट होने की वजह से समय न समाप्त हो जाए और मुख्यमंत्री जी न मिल पाएं। यह आशंका निर्मूल साबित हुई।

विष्णु के सुशासन का अहसास सभी आवेदकों को उस समय हुआ जब मुख्यमंत्री श्री साय ने पूरे धैर्य के साथ लोगों की समस्याओं को सुनकर मौके पर ही इनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जब तक आखरी आवेदक कतार में था, मुख्यमंत्री भी अपनी कुर्सी से हिले नहीं, पूरे समय तक तन्मयता से लोगों को सुनते रहे। जनदर्शन में बड़ी संख्या में भीड़ महिलाओं की थी।

महतारी वंदन योजना की संवेदनशील पहल को साकार कर मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों के जीवन में जो उजाला फैलाया, उससे इनके सपनों में पंख लग गये हैं। एक युवा लड़की आयुषी आई और उसने प्रदेश के मुखिया से कहा कि मुझे यूपीएससी की तैयारी करनी है। मेरे पिता कोविड में नहीं रहे, उनका सपना था कि मैं यूपीएससी करूं और मेरा भी यही सपना है। मुख्यमंत्री ने आयुषी बिटिया को भरोसा दिलाया। जब प्रदेश के मुखिया का आशीर्वाद किसी बिटिया को मिले तो निश्चित ही उसके सपनों को पर लग जाते हैं। मुख्यमंत्री न केवल इनके सपनों को पूरा करने मदद कर रहे हैं अपितु उनका हौसला भी बढ़ा रहे हैं।

जनदर्शन की खास बात यह है कि मुख्यमंत्री न केवल लोगों के आवेदन पर कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं अपितु पूरी संवेदनशीलता से उनकी तकलीफ भी सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री की ख्याति प्रदेश में इस बात को लेकर भी है कि केंद्र में राज्य मंत्री रहने के दौरान और अपने लंबे संसदीय जीवन में उन्होंने छत्तीसगढ़ के कई मरीजों का एम्स में इलाज करवाया। इस ख्याति को देखते हुए लोग अपनी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें लेकर भी पहुंचे और मुख्यमंत्री ने इसका समाधान किया। एक दिव्यांग बालक के इलाज के लिए उन्होंने जनदर्शन में ही निर्देश दिए और बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाकर एडमिट कर दिया गया।

पूरे जनदर्शन के दौरान सबसे दिल छूने वाला पल वो रहा जब मुख्यमंत्री सीधे दिव्यांगजनों के पास पहुंचे। दिव्यांगजनों को किसी तरह की तकलीफ न हो, इस बात का जनदर्शन में खास ध्यान रखा गया था। जिन दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने में दिक्कत आ रही थी, उनके दिव्यांग प्रमाणपत्र उसी दिन बनाकर दे दिये गये।

जनदर्शन के तुरंत पश्चात आये सभी आवेदनों के प्रभावी निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया। इसकी मानिटरिंग भी आरंभ कर दी गई है। सुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की सबसे अहम कड़ी जनता से प्रत्यक्ष संवाद है। जनदर्शन के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सुशासन को और भी प्रभावी बनाने में ठोस मदद मिलेगी।

अगले पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में भारी बारिश की संभावना

मौसम विभाग की चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को अगले 4-5 दिनों के दौरान दिल्ली और पूर्वोत्तर राज्यों समेत उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मानसून की उत्तरी सीमा अब राजस्थान में जैसलमेर, चुरू, भिवानी, दिल्ली, अलीगढ़, हरदोई, मुरादाबाद, ऊना, पंजाब में पठानकोट और जम्मू से होकर गुजर रही है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 2-3 दिनों के दौरान पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़ और पंजाब के कुछ और हिस्सों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम बुलेटिन के अनुसार, 29 जून से 3 जुलाई तक दिल्ली, हरियाणा चंडीगढ़, पंजाब हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में, 29 जून, 2 और 3 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में, 29 और 30 जून को छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय क्षेत्र, झारखंड, ओडिशा में और 30 जून से 2 जुलाई के दौरान बिहार में भारी बारिश होने की उम्मीद है।

एनएमसी ने अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीटों में वृद्धि को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज को एमबीबीएस प्रवेश क्षमता 100 से बढ़ाकर 150 सीटें करने की मंजूरी दे दी है। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इससे हमारे राज्य के इच्छुक मेडिकल छात्रों को डॉक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए और अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सीटों के विस्तार से भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बढ़ने की उम्मीद है। साहा ने एक्स पर टिप्पणी की, हमारी सरकार राज्य में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बेहतर बनाने के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री की यह घोषणा देश में नीट परीक्षा के आयोजन को लेकर बड़े विवाद के बीच हुई है।

नीट-यूजी 2024 में हाल ही में हुई अनियमितताओं के विरोध में सैकड़ों छात्र सड़कों पर उतर आए। नीट परीक्षा को लेकर मचे बवाल के बाद शुक्रवार को संसद में इस मुद्दे को उठाया गया और विपक्ष ने इस मामले पर चर्चा की मांग की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को लोकसभा में नीट-यूजी और यूजीसी नेट समेत परीक्षाओं के आयोजन में पेपर लीक के अभूतपूर्व मामलों और एनटीए की विफलता पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने राज्यसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस दिया है। इससे पहले पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। सीएम ने पीएम से नीट को खत्म करने और राज्य सरकारों द्वारा इस परीक्षा के आयोजन की पिछली प्रणाली को बहाल करने का आग्रह किया। इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी एनटीए द्वारा परीक्षा के आयोजन में कथित अनियमितताओं को लेकर एक आपराधिक मामला दर्ज किया और मामले की जांच के लिए विशेष टीमों का गठन किया।

सीएम मोहन यादव ने पुलिसकर्मियों का दिया आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

बालाघाट (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शनिवार को बालाघाट जिले के दौरे पर पहुंचे। यहां पुलिस लाइन में सबसे पहले उन्होंने शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और 28 जवानों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया। इन जांबाज जवानों ने लांजी क्षेत्र के अंतर्गत केराझेरी के जंगल में कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया था, जिसका सम्मान उन्हें प्रमोशन के रूप में मिला। इस कार्यक्रम के दौरान सीएम ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया और पुलिस जवानों के परिवार से मिलकर बातचीत भी की। जवानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जिले के सभी सैनिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा, आपने काफी हद तक नक्सलियों को नियंत्रित किया और सबसे अधिक समस्याग्रस्त बालाघाट जिला फिर से सामान्य हो गया। हम फोर्स को कोई भी कमी नहीं होने देंगे। जो आप चाहोगे वो सब देंगे, आप अपनी ड्यूटी निभाते रहें।

18वां 'सांख्यिकी दिवस' आज 'निर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोग' की विषय वस्तु पर मनाया गया

इस अवसर पर ई-सांख्यिकी पोर्टल का शुभारंभ किया गया

दिल्ली (विश्व परिवार)। सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में प्रोफेसर (दिवंगत) प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के अवसर पर उनके द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान में, भारत सरकार ने हर वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय स्तर पर मनाए जाने वाले विशेष दिवसों की श्रेणी में सांख्यिकी दिवस के रूप में नामित किया है। सांख्यिकी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से युवा पीढ़ी व जनमानस में देश के विकास के लिए सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका और महत्व के बारे में जागरूकता लाना है।

वर्ष 2007 से, सांख्यिकी दिवस समकालीन राष्ट्रीय महत्व की भावना के साथ मनाया जाता है। सांख्यिकी दिवस, वर्ष 2024 की विषय वस्तु निर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोग है। डेटा संचालित निर्णय लेने की अवधारणा किसी भी क्षेत्र में सूचित निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण है, और यह आधिकारिक सांख्यिकी से प्राप्त सांख्यिकीय जानकारी की उचित समझ और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की सुविधा के लिए पहली आवश्यक शर्तों में से एक है।

सांख्यिकी दिवस, वर्ष 2024 के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के दिल्ली कैंट में स्थित मानेकशॉ सेंटर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर, 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय सांख्यिकी प्रणाली को सफल बनाने में प्रो. पी.सी. महालनोबिस के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताया। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि भारत को विकास की राह पर प्रगति के लिए डेटा संचालित नीति निरंतर जारी रखना चाहिए।

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि भारत को विकास की राह पर प्रगति के लिए डेटा आधारित नीति निर्माण को निरंतर जारी रखना चाहिए

इस अवसर पर राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के अध्यक्ष प्रो. राजीव लक्ष्मण करंदीकर और सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) के अध्यक्ष ने डेटा को अधिकतम सुलभ और उपयोगी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और सुझाव दिया कि डेटा तैयार करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी से लाभान्वित होने के मंत्रालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों को जारी रखने की आवश्यकता है। उन्होंने हितधारकों के बीच समन्वय के माध्यम से विभिन्न एजेंसियों द्वारा तैयार किए गए डेटाबेस की इंटरऑपरेबिलिटी और लिंकिंग की आवश्यकता पर भी बल दिया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए सर्वेक्षण डेटा में समय-अंतराल को कम करने के लिए मंत्रालय द्वारा की जा रही पहलों पर प्रकाश डाला जैसे कि कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई), नए सर्वेक्षण, उपयोगकर्ता जुड़ाव अभ्यास और अभी लॉन्च किए गए ई-सांख्यिकी पोर्टल। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सांख्यिकी दिवस की थीम सांख्यिकीय कर्मियों और योजनाकारों को डेटा आधारित निर्णय लेने की प्रेरणा देगी।

इस आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, विश्व बैंक आदि के प्रतिनिधि और अन्य हितधारकों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम को मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से वेब-कास्ट/लाइव स्ट्रीम भी किया गया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित 'ऑन द स्पॉट निबंध लेखन प्रतियोगिता, 2024' के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

तकनीकी सत्र के दौरान, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ. अजय कुमार ने सुशासन में डेटा के महत्व पर उपस्थित जनों को संबोधित किया। उन्होंने अत्याधुनिक रूप से बदलते डिजिटल युग में डेटा के महत्व और सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका और इसकी सीमाओं पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात विश्व बैंक समूह के गरीबी और समानता वैश्विक अभ्यास के वैश्विक निदेशक श्री लुइस फेलिप लोपेज़-कैल्वा द्वारा निर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोग करने के वैश्विक अनुभव पर एक प्रस्तुति दी गई। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि डेटा प्रभावी नीति निर्माण के लिए एक आधारभूत सरंचना है, साथ ही उन्होंने प्रचलित वैश्विक पद्धतियों को साझा किया।

ताजा सतत विकास लक्ष्य पर आधारित-राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा (एसडीजी-एनआईएफ), हर वर्ष 29 जून को सांख्यिकी दिवस के अवसर पर समय श्रृंखला डेटा के साथ एसडीजी पर प्रगति रिपोर्ट जारी करता है, साथ ही प्रगति रिपोर्ट से प्राप्त दो पुस्तिकाएँ भी जारी करता है। इस आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर निम्नलिखित तीन रिपोर्ट जारी की गईं- सतत विकास लक्ष्य-राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा प्रगति रिपोर्ट, 2024', 'सतत विकास लक्ष्यों पर डेटा स्नैपशॉट- राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा, 2024', 'सतत विकास लक्ष्य- राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा, 2024', इन रिपोर्टों को सांख्यिकी मंत्रालय की वेबसाइट (www.mospi.gov.in) पर देखा जा सकता है। एसडीजी संकेतकों पर समय श्रृंखला डेटा रिपोर्ट से एमएस एक्सेल प्रारूप में डाउनलोड किया जा सकता है।

इस अवसर पर सांख्यिकी मंत्रालय ने देश में आधिकारिक सांख्यिकी के प्रसार में सुलभता के लिए एक व्यापक डेटा प्रबंधन और साझाकरण प्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य से एक ई सांख्यिकी पोर्टल (https://esankhyiki.mospi.gov.in) लॉन्च किया। पोर्टल को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वेबसाइट (https://mospi.gov.in/) के माध्यम से भी एक्सेस किया जा सकता है। इसका उद्देश्य योजनाकारों, नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं और जनमानस के लिए समय पर इनपुट प्रदान करना है। ईसांख्यिकी पोर्टल में दो खंड हैं जो डेटा की आसान पहुँच और पुन: उपयोग की सुविधा प्रदान करते हैं। जिनके नाम हैं-

डेटा कैटलॉग- कैटलॉग में मंत्रालय की प्रमुख डेटा संपत्तियाँ जैसे राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण, सामयिक श्रम बल सर्वेक्षण और घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण एक ही स्थान पर सूचीबद्ध हैं।

मैक्रो संकेतक- यह फ़िल्टरिंग और विज़ुअलाइज़ेशन के लिए सुविधाओं सहित प्रमुख मैक्रो संकेतकों का समय श्रृंखला डेटा प्रदान करता है। यह उपयोगकर्ताओं को कस्टम डेटासेट, विज़ुअलाइज़ेशन डाउनलोड करने और अप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से वहां तक पहुँच की अनुमति प्रदान करता है, जिससे डेटा की पुन: उपयोगिता में वृद्धि होती है।

वर्तमान समय में, इस खंड में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के चार प्रमुख उत्पाद शामिल हैं: राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण, इसमें पिछले दस वर्षों के डेटा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री की विशेष पहल से शुरु होने जा रही पीएससी, व्यापम, बैंकिंग प्रतियोगी परीक्षा की नि:शुल्क कोचिंग

अब मजदूर के बच्चे भी बनेंगे अफसर, प्रदेश के 10 जिलों में नि:शुल्क कोचिंग जुलाई से होगी शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। श्रमिक हितैषी सरकार के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की विशेष पहल और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के निर्देश पर जुलाई से मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए नि:शुल्क कोचिंग शुरू होने जा रही है। इस योजना के तहत पीएससी, व्यापम, बैंकिंग प्रतियोगी परीक्षा के लिए नि:शुल्क कोचिंग की सुविधा श्रमिकों के बच्चों को मिलेगी। प्रदेश के 10 जिलों में इस योजना के तहत नि:शुल्क कोचिंग शुरू होने जा रही है।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के पंजीकृत हितग्राहियों के लिए मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु नि:शुल्क कोचिंग सहायता योजना प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के मंशानुरूप श्रमिक परिवार के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ठोस कदम उठाएं जाएं। श्रमिक परिवार के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर सुविधाओं की जरूरत है।

इसी तारतम्य में पंजीकृत श्रमिक व पंजीकृत

श्रमिक के संतानों को शैक्षणिक योग्यता अनुसार लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, कर्मचारी चयन आयोग, बैंकिंग, रेल्वे, पुलिस भर्ती एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए 4 से 10 माह तक की नि:शुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राही स्वयं, च्वाईस सेन्टर या श्रम कार्यालय के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

पंजीकृत श्रमिक की अगर मृत्यु हो चुकी है तब भी मिलेगी सुविधा : यदि हितग्राही की मृत्यु दिनांक 09 जून 2020 से पहले हुई है तो पुराने अधिसूचना के अनुसार योजना के लिए उनके बच्चे पात्र है तथा वे हितग्राही जो नवीन योजना मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से जुड़े हुए हैं वे भी आवेदन कर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी मिलेगी होगी कोचिंग : यह कोचिंग ऑनलाइन के साथ साथ ऑफलाइन भी मिलेगी। ताकि विभिन्न परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं को दोनों का विकल्प मिल सके। बहुत से छात्र समय या फिर दूरी की वजह से ऑफलाइन ही कोचिंग लेना चाहते हैं, उनको ये सुविधा मिलेगी।

इन जिलों में शुरू होने जा रही सुविधा : रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, महासमुंद जिले में इस योजना की शुरुआत की जा रही है।

छात्र-छात्राओं मे उत्साह, तीन जिलों के लिए 4 बैच हुए भरे : नि:शुल्क कोचिंग योजना के लिए छात्र छात्राओं मे जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के तीन जिले रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में कुल (50-50) चार बैच अब तक भरे जा चुके हैं। अन्य जिलों से आए आवेदन का परीक्षण कर बैच बनाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, रविवार 30 जून 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अवैध कब्जा को हटाने में लग गए 35 साल, कब्जा हटाने लड़ी लंबी लड़ाई

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नवापारा में राजस्व, पुलिस और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने शनिवार को निजी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को मुक्त कराकर भूमि स्वामी को कब्जा दिलाया। संयुक्त टीम द्वारा आज शाम नवापारा के मां काली मंदिर के बगल में स्थित भूमि खसरा नंबर 732/5/2/3 में अनाधिकृत रूप से कब्जा करने वाले रुसुख यादव पिता पचकौड़ यादव के द्वारा उक्त भूमि पर निर्मित किए गए दीवाल व टिन शेड को हटाकर, संबंधित भूमि पर भू-स्वामी अमृतलाल सोनी पिता पोपटलाल सोनी को कब्जा दिलाया गया। कब्जा दिलाने से पूर्व संयुक्त टीम द्वारा वाद भूमि पर मौजूद सभी लोगों और सामान को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिसके बाद जेसीबी की सहायता से दीवाल और टिन शेड को हटाकर कब्जा मुक्त करने की कार्रवाई की गई। इस दौरान मौके पर लोगों की काफी भीड़ एकत्रित हो गई थी। यह कार्रवाई न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा पारित आदेश दिनांक 23.04.2024 के परिपालन में की गई।

दूरस्थ वनांचल बैगा गांव में लगा स्वास्थ्य शिविर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों के शिक्षा, स्वास्थ्य और उनके विकास के लिए विशेष कार्य कर रही है। प्रशासन उनके स्वास्थ्य के लिए भी सजग है। इस कड़ी में मुंगेली जिले के दूरस्थ पहुंचविहीन वनांचल बैगा ग्राम मौहामाचा में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गांव के लोगों का स्वास्थ्य जांच कर नि:शुल्क दवाई एवं परामर्श दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 36 मरीजों की जांच की गई। शिविर में लोगों का बीपी, शुगर, खून जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी जांच किया गया और ग्रामवासियों को सिकलसेल संबंधी जानकारी दी गई।

अवैध प्लॉटिंग पर निगम सख्त, कातुलबोर्ड साकेत कालोनी, अवैध प्लॉटिंग पर निगम का चला बुलडोजर

दुर्ग (आरएनएस)। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत जिन जिन स्थानों में अवैध प्लाटिंग किये जाने की शिकायतें निगम प्रशासन को मिल रही है वहां पर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर तत्काल पहुँचकर स्थल निरीक्षण कर सख्ती से कार्रवाही की जा रही है। इसी सिलसिले में आज भवन अधिकारी गिरीश दीवान के नेतृत्व में खसरा न.48/16 में अनावेदक अमनदीप सिंह ओबरॉय/प्रभसिंह ओबेरॉय एवं प्रितपाल सिंह ओबेरॉय द्वारा कातुलबोर्ड स्कूल साकेत कालोनी में अवैध प्लाटिंग किया जा रहा है।शिकायत के आधार पर स्थल में निर्मित रोड रास्ते एवं फेंसिंग कार्य को निगम के जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर हटाया गया।भवन अधिकारी गिरीश दीवान ने बताया कि रजिस्ट्री संबंधि जानकारी एवं पंजीयन पर रोक लगाने संबंधित कार्रवाही हेतु अनुभागीय अधिकारी को पत्र प्रेषित किया जा रहा। बता दे कि कातुलबोर्ड स्कूल के निकट साकेत कालोनी,अवैध प्लॉटिंग रोड, रास्ते पर प्रेंसिंग कार्रवाही कर नगर निगम ने जेसीबी की मदद से अवैध कब्जा मुक्त कराया। कार्रवाही के मौके पर अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,भवन निरीक्षक विनोद मांझी,योगेश सूरे सहित अतिक्रमण अमला मौजूद रहें। नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने कहा है कि जमीन दलाल के बहकावे में आकर प्लाट की खरीदी न करें। अवैध प्लाट खरीदने पर नगर निगम द्वारा भवन निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी और ना ही खरीददार को भवन निर्माण के लिए बैंक से ऋण मिल पाएगा।

20 वर्षों से राजिम मंत्री विहीन, जिला बनने के इंतजार में राजिम वासियों की पथराई आंखें

राजिम (विश्व परिवार)। पिछले 20 सालों से राजिम विधानसभा क्षेत्र मंत्री विहीन है। इस बात का मलाल यहां के लोगों को है। आम जनता का कहना है कि पांच बार मंत्री देने वाला राजिम विधानसभा क्षेत्र विकास के मामले में काफी पिछड़ा हुआ है। यह मात्र कहने को शहर रह गया है असलियत तो यही है कि गांव जैसा माहौल यहां देखने को मिलता है। शहरों की जो सुविधाएं होती है वह कहीं पर नहीं दिखता है वही सिंगल संकरा सड़क, रेफर केंद्र वाला अस्पताल, पढ़ने के लिए राजधानी रायपुर तथा अन्य दुर्ग भिलाई बिलासपुर के शहरों में जाने की मजबूरी जैसी ढ़ेरों समस्याओं से यहां के लोग दूसरे शहरों के मुंह ताकते हैं। हालांकि 1969 से लेकर 1990 के बीच यहां से चुनाव लड़ने वाले पंडित श्यामाचरण शुक्ला तीन बार अविजित मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। परंतु विकास के मामले में उनका ध्यान जैसा होना चाहिए वह नहीं हो पाया और समस्याओं से क्षेत्रवासी दो - चार होते रहे। यहां के कुछ लोगों से चर्चा किया तो उन्होंने कहा कि धर्म नगरी के कारण राजिम का नाम है। यह नगरी खुदाई से प्राप्त अवशेष के आधार पर तीसरी शताब्दी का बताया जाता है उस हिसाब से तो इनका खूब विकास हो जाना चाहिए था। लेकिन अभी भी विकास के लिए छटपटा रही है और उनकी छटपटाहट देखने वाला कोई नहीं है। जैसे-तैसे इस नगरी में तहसील मुख्यालय, एसडीएम कार्यालय, कृषि उपज मंडी, पीडब्ल्यूडी विभाग का उप संभागीय कार्यालय, पीएचई विभाग का दफ्तर, वन विभाग का कार्यालय खुल पाया है। प्रदेश का सबसे बड़ा मेला राजिम के त्रिवेणी संगम में लगता है। 15 दिनों के लिए प्रशासन अपनी हाजिरी लगाता है। धार्मिक आध्यात्मिक पर्यटन तथा सांस्कृतिक सामाजिक ऐतिहासिक राजनीतिक दृष्टिकोण से विशेष मायने रखता है बावजूद इसके छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद जो तवज्जो राजिम विधानसभा क्षेत्र को मिलनी चाहिए थी वह मिलती हुई दिखाई नहीं देती है। बता देना जरूरी है कि पृथक छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए यहां के संत कवि पवन दीवान ने खूब मेहनत किया नतीजा नया राज्य 1 नवंबर 2000 को मिल गया।

मंत्री पद मिलने से धर्म नगरी का होगा सम्मान : इस 5 पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत अधिकांशतः चार बार सत्ता पक्ष से विधायक बने हैं परंतु मंत्री किसी को नहीं बनाया है। यहां के लोग मंत्री के इंतजार में बैठे हुए हैं। किसान पुत्र रोहित साहू यहां के विधायक बने हुए हैं जो सत्ता पक्ष अर्थात भारतीय जनता पार्टी के हैं। यदि इसे मंत्री बनाया जाता है तो यह राजिम विधानसभा क्षेत्र का सबसे बड़ा सम्मान होगा।

राजिम को जिला बनाना पवन दीवान का सपना था : इसके अलावा पिछले 32, 33 सालों से राजिम को जिला बनने का सपना संत कवि पवन दीवान से लेकर यहां के रहवासी देख रहे हैं पर देखते-देखते उनकी आंखें पथरा गई है। जानकारी के मुताबिक संत कवि पवन दीवान अविभाजित मध्यप्रदेश में राजिम को जिला बनाने की कई बार पैरवी किया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी से यह बात स्पष्ट कर दी कि आपको हर हाल में राजिम को जिला बनना पड़ेगा परंतु उन्होंने भी दीवा सपना दिखाया और जिला बनने के कम क्रम से छुटा रहा। 2003 के बाद से 2018 तक भाजपा की सरकार प्रदेश में बैठी रही उन्होंने तकरीबन 12 नये जिला बनाएं लेकिन राजिम को जिला बनाने के संबंध में उनकी सोच नहीं रही। रायपुर जिला से लेकर राजिम को गरियाबंद जिला में जोड़ दिया गया पर जिला नहीं बनाया। सन् 2018 के बाद फिर से सत्ता में कांग्रेस की सरकार बैठी और भूपेश सरकार से लोग उम्मीद लगा बैठे थे। 5 साल तक लोगों की उम्मीद में पानी फिरता गया। अब 2023 में फिर से भाजपा की सरकार आई है। यहां भगवान विष्णु का अलौकिक राजीवलोचन मंदिर स्थापित है और प्रदेश की सत्ता में विष्णु देव मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित है। इस लिहाज से यहां के लोग मानकर चल रहे हैं कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव विष्णु की नगरी को जरूर जिला बनाएंगे।

केन्द्रीय परियोजनाओं को तेजी से पूर्ण किया जाए : मुख्य सचिव अमिताभ जैन

परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाने भू-अर्जन, मुआवजा, नामांतरण, बटांकन और वन भूमि के संबंध में त्वरित कार्यवाही के लिए कलेक्टरों को दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छत्तीसगढ़ में संचालित केन्द्रीय परियोजनाओं में सड़क, ऊर्जा, मोबाइल टॉवर, रेल्वे और खनिज से संबंधित परियोजनाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का कार्य तेजी से पूर्ण करने के मद्देनजर परियोजनाओं से संबंधित भू-अर्जन, मुआवजा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग प्राधिकरण और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अंतर्गत विभिन्न सड़क परियोजनाओं के कार्यों के संबंध में जिलों के कलेक्टरों से जानकारी ली एवं परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन, मुआवजा, नामांतरण, बटांकन और आवार्ड प्रकरणों सहित वन भूमि के प्रकरणों पर शीघ्रता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी तरह से कांकेर, बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले में जहां मोबाइल टॉवर लगाना आवश्यक है वहां सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने कहा।

बैठक में बिलासपुर-उरगा, बिलासपुर से पथरापाली, सिमगा से सारागांव बिलासपुर, 6 लेन रायपुर से विशाखापटनम्, धमतरी-कांकेर- बेडमा-दाहिकोंगा, सड़क परियोजनाओं सहित अन्य सड़क परियोजनाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इसी तरह से एनटीपीसी, रेलवे परियोजनाओं के अंतर्गत ईस्ट-वेस्ट रेलवे, साउथ ईस्ट कोल फिल्डस् लिमिटेड के अधिकारियों से परियोजनाओं के कार्यों का विस्तार से जानकारी ली और इस संबंध में आ रही विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए कोरबा और रायगढ़ जिले के कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए। इसी तरह से खनन परियोजनाओं के लिए सड़क, भूमि इत्यादि के लिए अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्रीमती ऋचा शर्मा, सचिव लोक निर्माण विभाग डॉ. कमलप्रीत सिंह, पीसीसीएफ श्री सुनील मिश्रा, राजस्व विभाग के सचिव श्री अविनाश चम्पावत आदि शामिल हुए।

हण्डा की खोज में निकल पड़े है भैरा कका के साथ एन माही की टोली

5 जुलाई को प्रदेश के 50 सिनेमाघरों में होगा प्रदर्शित, ओपन मीट में मोहित ने बताया क्यों देखने जाएं छत्तीसगढ़ी फिल्म हण्डा

लालच करना बुरी बात, सभी को मिलना चाहिए बराबर का हक : मोहित साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। 5 जुलाई को 50 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली छत्तीसगढ़ी फिल्म हण्डा के निर्माता मोहित साहू, निर्देशक व हीरो अमलेश नागेश व अन्य कलाकार शनिवार को ओपन मीट के माध्यम से आम जनता से रुबरू हुए। इस दौरान मोहित ने बताया कि इस फिल्म के माध्यम से वे जनता को यह संदेश देना चाहते हैं कि लालच करना बूरी बात है और हम सभी को मिल जुलकर रहना चाहिए और जो भी चीज हमें मिले उसे मिल बांटकर खाना चाहिए किसी को ज्यादा या कम नहीं, सभी को बराबर का हक मिले।

निर्माता मोहित साहू ने ओपन मीट के माध्यम से दर्शकों से कहा कि पुराने जमाने की कहातव हैं कि जिसके घर में हण्डा मिल जाए तो वह आदमी इतना अमीर हो जाता था कि दूसरों की चिंता करना ही भूल जाता था या वह इतना कर्ज में डूब जाता है कि जीवन चलाना मुश्किल हो जाता था। वे अपने दादा-परदा से यह सुनते थे कि जिनके घर में हण्डा मिल जाता था तो वह दूसरों को इसकी जानकारी नहीं देते थे और कुछ ही दिनों में वह इतना अमीर हो जाता था कि झोपड़ी नुमा मकान देखते ही देखते आलीशान मकान में तब्दील हो जाता था। वहीं एक ऐसा हण्डा भी था जो उसे मिल तो जाया करता था लेकिन वह उससे इतने कर्ज में डाल देता था कि कंगाल हो जाता था। इन्हीं सब कहानियों को लेकर उन्होंने हण्डा फिल्म का निर्माण किया जिसके निर्देशक भैरा कका यानी अमलेश नागेश है और एडिटर गौरांग त्रिवेदी व उमेश ध्रुव ने किया है। इस फिल्म के माध्यम से वह छत्तीसगढ़ के लोगों को यह संदेश देना चाहते हैं कि जब कभी भी हमें ऐसी कोई भी चीज मिले तो हमें लालच नहीं करना चाहिए क्योंकि लालच का फल कभी भी मीठा नहीं होता हैं, हमें इन चीजों को मिल बांटकर रखना चाहिए और जरुरत पडने पर ही निकालकर खर्च करना चाहिए। ऐसी ही एक हण्डा गांव के एक आदमी को मिल जाता है और वह लालच में आकर बेहिसाब खर्च करने लग जाता है लेकिन उसे यह नहीं पता होता कि वह हण्डा अमीर आदमी बनाने का नहीं बल्कि कंगाल करने वाला हण्डा होता है। जब आप इस फिल्म को देखेंगे तभी समझ पाएंगे कि आखिर यह हण्डा है क्या?

बचपन के किस्से स्क्रीन में दिखेंगे : एन माही के बैनर तले छत्तीसगढ़ी फिल्म हण्डा को निर्माता मोहित साहू? ने बनाया है। इस फिल्म को बनाने के पीछे बचपन के वो किस्से जब दादा-दादी ने हमें हण्डा की कहानी सुनते थे आज वहीं फिल्म के माध्यम से देखने को मिलेगा।

रिलीज़ से पहले गाने के ट्रेलर ने बनाया रिकॉर्ड : निर्माता मोहित साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि फिल्म रिलीज से पहले ही गाना 1 करोड़ 70 लाख से अधिक यूट्यूब में व्यूह, 5 सौ से अधिक स्टाग्राम, फेसबुक और वाट्सएप में ट्रेलर अपलोड हुआ है।

ये कलाकार कर रहे हैं अभिनय : हण्डा के निर्देशन व लेखक अमलेश नागेश, अभिनेत्री अमृता कुशवाहा, अनिल सिन्हा, नीरज उईके, विनायक अग्रवाल, जीतू दुलरवा, धर्मेन्द्र साहू, मोहित जोशी, पप्पू चंद्राकर, निरज ऊईके, विनायक अग्रवाल, जिन्तु दुलरवा, धर्मेन्द्र साहू, अमित गोस्वामी, लतीश भांगे, रूद्रा राजपूत, मोहित जोशी, हेमलाल कौशल, राजेश पांड्या मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का डीओपी रजत सिंह राजपूत, एडिटर गौरांग त्रिवेदी, उमेश ध्रुव, म्यूज़िक डायरेक्टर ओमी स्टाइलियो का है। स्वर दिया हैं सुनील सोनी व अनुपमा मिश्रा ने, कोरियोग्राफर चन्दन दीप, डान्स कामदेव डान्स ग्रुप का है वहीं फिल्म के वितरक मां फिल्मस के तरुण सोनी हैं।

जागरूकता रैली निकालकर जन-जन तक पहुंचाया रक्तदान का संदेश

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। युग प्रवर्तक बाबा गुरूबचन सिंह जी की स्मृति में उनकी शिक्षाओं से निरंतर प्रेरणा लेते हुए संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानव एकता दिवस के अवसर पर सम्पूर्ण विश्व में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिसके उपलक्ष्य में गोबरा नवापारा नगर के संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन शाखा द्वारा जागरूकता रैली निकाल कर रक्तदान-महादान का नारा लगाते हुए जन-जन तक संदेश पंहुचाया और लोगों का रक्तदान करने के लिये प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन (संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा) के तत्वाधान में नवापारा नगर के सिंधी गुरूद्वारा में दिनांक 30.06.2024 दिन रविवार सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है एंव नवापारा नगर निरंकारी ब्रांच के इंचार्ज गांधी सचदेव ने भी इस जनकल्याण की सेवा में लोगों को अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेने के लिये निवेदन किया है।

युग प्रवर्तक बाबा गुरूबचन सिंह जी सदैव ही समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होने एक ओर जहां सत्य के बोध द्वारा मानव जीवन को सभी भ्रमों से मुक्त किया वहीं दूसरी ओर नशा बंदी एंव सादा शादियां जैसे समाज सुधारों की नींव रखी। बाबा गुरूबचन सिंह जी ने युवाओं की ऊर्जा को नया आयाम देने के लिए उन्हे खेलों की ओर प्रेरित किया ताकि ऊर्जा को सही दिशा मिल सके एंव एक सुंदर समाज का निर्माण हो सके।

विधायक ललित चंद्राकर ने पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

एक पेड़ मां के नाम की शुरुवात की

दुर्ग (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक पेड़ मां के नाम की शुरुवात किया है। शनिवार को दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अण्डा में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के नेतृत्व में गांधी भांठा में पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। विधायक ललित चंद्राकर के द्वारा गुलमोहर वृक्ष का रोपन किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि मनोज चंद्राकर, तिलक चंद्राकर, लुकेश देवांगन, राकेश चंद्राकर, अजय चौहान, अजीत चंद्राकर, भानपुरी सरपंच विजय यादव, जितेंद्र सिन्हा, राज हाड़िया, कमलजीत, अरुण देशमुख, चूम्मन साहू एवम ग्रामवासियों ने भी वृक्षा रोपण कर पर्यावरण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की है। श्री मोदी ने दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में एक पीपल का पेड़ लगाया। उन्होंने सभी से हमारे ग्रह को बेहतर बनाने में योगदान देने का भी आग्रह किया है और बताया कि पिछले दशक में भारत ने कई सामूहिक प्रयास किए हैं, जिसके कारण पूरे देश में वन क्षेत्र में वृद्धि हुई है।

आगे विधायक ललित चंद्राकर ने कहा एक पेड़ मां के नाम एक नई और प्रेरणादायक पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य मातृत्व के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ बढ़ावा देना है इस पहल के तहत लोग अपनी माता के नाम पर एक पेड़ लगाते हैं जो न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है बल्की माता के प्रति सम्मान और प्रेम प्रगट करने का एक सुन्दर तरीका भी है। आगे सभी से निवेदन करते हुए कहा जहां भी खाली जगह मिले अपने घर, स्कूल कालेज तालाबपार, खेत, खलिहान, अपने ऑफिस अपने अपने कार्य क्षेत्र में एक पेड़ अवश्य रूप से लगाएं और धरती माता का श्रृंगार करे। साथ ही ग्राम पंचायत अंडा में विधायक ललित चन्द्राकर ने आज सहकारी सोसायटी एवं थाना क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा जनप्रतिनिधियों और आम जनता से संबंधित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्र./12607/ न.पा.नि./जोन क्र.-6/2024
रायपुर, दिनांक 29-06-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 12607
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652B0906B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VISHAL KUMAR IDWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR IDWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANKIT GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DILEEP GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA & SHAPATH PATR**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./11186/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11186
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107G00296** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHRE RAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ITWARI SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. HEMIN SAHU 2. SURAJ SAHU 3. FAGNI SAHU 4. MONIKA SAHU 5. VIKASH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. PAWAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SHAPATH OR SAHMATI**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./11184/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11184
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107G00305** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PAWAN KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRIRAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **भारत साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्रीराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SHAPATH OR SAHMATI**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./11183/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11183
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107K00310** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MASTRAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BIHARI LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **URIMILA GENDARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. BAISAKHU GENDARE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **BATWARANAMA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./11185/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-05-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11185
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107H00079** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHART SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेंद्र कुमार साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्रीराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SHAPAT PATRA, SAHMATI PATRA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./11222/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-05-2024
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11222
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107G0173A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HRIDAYRAM SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JOWARAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BALMUKUND SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. CHOWA RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर रविवार 30 जून 2024

बच्चे अपने नए शैक्षणिक सफर की शुरूआत उत्साह, उमंग और खुशी के साथ करें : कलेक्टर जनमेजय महोबे

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने ग्राम बिरकोना और गोपालभावना में स्कूली विद्यार्थियों को तिलक लगाकर तथा मिठाई खिलाकर कराया शाला प्रवेश

कवर्धा(संवाददाता)। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आज नए शिक्षा सत्र के प्रथम दिन जिले के ग्राम बिरकोना और गोपालभावना के प्राथमिक शाला में पहुंचकर नव प्रवेशी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा उन्हें मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। कलेक्टर ने स्कूली बच्चों को गणवेश, पुस्तकें का भी वितरण किया। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, प्राचार्यो और अभिभावकों को नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ और शाला प्रवेशोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने स्कूल के बच्चों से सहज भाव से बात-चीत कि जिससे बच्चे काफी उत्साहित और प्रोत्साहित महसूस कर रहें है। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों के बारे में पूछा और उन्हें अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि कक्षा पहली में प्रवेश करना बच्चों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है। बच्चे अपने नए शैक्षणिक सफर की शुरूआत उत्साह और खुशी के साथ करें। उन्होंने बच्चों को बताया कि स्कूल में बहुत कुछ सीखने मिलेगा और यह उनकी जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमेशा जिज्ञासू बने, शिक्षकों से सवाल करें और अपने पढ़ाई का आनंद ले। उन्होंनें कहा कि स्कूल में खूब पढ़ाई करें, खेले और खाएं।उल्लेखनीय है कि नए शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए आज कबीरधाम जिले के सभी स्कूलों में उत्साह के साथ शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। जहां नए बच्चों को स्कूल प्रवेश करने पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने स्कूल के परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी वाई डी साहू सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने तिलक लगाकर व मिठाई खिलाकर छात्रों को कराया शाला प्रवेश

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने विकासखंड कवर्धा के ग्राम बिरकोना और गोपालभावना में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव के मौके पर स्कूली बच्चों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा उन्हें मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। इस मौके पर उन्होंने स्कूली बच्चों को गणवेश, पुस्तकें का भी वितरण किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, प्राचार्यो और अभिभावकों को नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ और शाला प्रवेशोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि यही बच्चे हमारा भविष्य हैं और इन बच्चों को शिक्षा का उचित वातावरण देना हमारी जिम्मेदारी है ताकि इनका पढ़ाई में मन लगा रहे।

स्कूली बच्चों के प्रतिभा से प्रभावित हुए कलेक्टर

कलेक्टर महोबे ग्राम बिरकोना के प्राथमिक शाला पहुंचकर बच्चों के साथ सहजता के साथ बातचीत कर उनके पूर्व ज्ञान का परीक्षण किया। वें अपने पूछे गए सवालों का उत्तर बच्चों से जानकर प्रभावित हुए। कलेक्टर ने कक्षा पांचवी के महिमा चंद्रवंशी से अंग्रेजी में प्रश्न पूछा वॉट इज यूवर नेम, वॉट इज यूवर फादर नेम, वॉट इज यूवर मदर नेम तब महिमा ने अंग्रेजी में फर्राटेदार जवाब दिया। कक्षा तीसरी के विद्यार्थी होरी राम साहू से भाग के सवाल पूछे जिसका उन्होंने तत्परता से जवाब दिया।

कलेक्टर ने बच्चों को सिखाया हैंण्डवास करने का सहीं तरीका

कलेक्टर ने स्कूल के विद्यार्थियों को सही तरीके से हैंडवाश करना सिखाया और कहा कि स्वच्छता बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समझाया कि नियमित रूप से हाथ धोने से कई बिमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि खाने से पहले और बाद में शौचालय का उपयोग करने के बाद और खेल के बाद हाथ धोना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को स्वच्छता की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जिला पंचायत सीईओं संदीप कुमार अग्रवाल ने बच्चों को मिठाई खिलाकर कराया शाला प्रवेश

जिला पंचायत सीईओं संदीप कुमार अग्रवाल ने आज विकासखंड सहसपुर लोहारा के ग्राम चंदैनी, खड़ौदा, उड़ियाकला में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। सीईओं अग्रवाल ने स्कूली बच्चों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा उन्हें मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। उन्होंने स्कूली बच्चों को गणवेश, पुस्तकें का भी वितरण किया।

शाला प्रवेशोत्सव पर शिल्पी ने बच्चों को पौधे भेंट कर किया स्वागत

विद्यार्थियों को दी वृक्ष मित्र की उपाधि

बालोद(संवाददाता)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाला प्रवेश उत्सव 2024-25 का आयोजन 26 जून बुधवार लो शासकीय प्राथमिक शाला कुआगोंदी, शास पूर्व माध्यमिक शाला कुआगोंदी एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुआंगोंदी द्वारा संयुक्त रूप से विद्यालय के सभागार में मनाया गया। शासकीय प्राथमिक शाला में कक्षा पहली, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में कक्षा छठवीं तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा नवमी के नव प्रवेशी विद्यार्थीयों को तिलक लगाकर मिठाई बांटी गई एवं उन्हें पुस्तक वितरण करके उनका स्वागत किया गया। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुआंगोंदी की शिक्षिका शिल्पी राय ने विद्यार्थियों को पौधे भेंट कर उनका स्वागत किया। यह अपने आप मे अनोखा स्वागत रहा। इन विद्यार्थियों को वृक्ष मित्र की उपाधि देकर, पौधों को विद्यालय परिसर में लगाया गया एवं उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई। इस प्रकार शिल्पी राय ने अपने शत वृक्षम अभियान (100 पेड़ लगाने) की शुरुआत शाला प्रवेश उत्सव से किया तथा वहां उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों से यह आग्रह भी किया गया कि वे किसी भी कार्यक्रम की शुरुआत पेड़ लगाकर करें। इससे भावी पीढ़ी को सकारात्मक व्यवहार एवं समाज के हित का संरक्षण करने की प्रेरणा मिलेगी। इस प्रकार की पहल से इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिक, अतिथि, विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की एवं शिल्पी राय को शत वृक्षम अभियान के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकुल प्राचार्य श्री अल्फोंस एक्का कर रहे थे। मुख्य अतिथि लालू राम साहू , विशेष अतिथि सच्चिदानंद शर्मा बीआरसीसी डौंडी, छगन लाल यदु, देलू राम पटेल, गणमान्य नागरिक ईश्वरी साहू , फरीदा बेगम आदि उपस्थित होकर सभी विद्यार्थियों को आशीर्वचन देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किए।

कांग्रेस ने विभिन्न मुद्दों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का किया घेराव

बेमेतरा(संवाददाता)। कांग्रेस द्वारा विभिन्न मुद्दों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया गया । शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा,युवक कांग्रेस तथा एन एस यू आई के द्वारा शिक्षा की बदहाल व्यवस्था, मां सरस्वती, भारत माता, छत्तीशगढ़ महतारी सहित महापुरुषों की तस्वीरों का अपमान , शिक्षको की कमी को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर महामहिम राज्यपाल के नाम सौंपा गया। इससे पहले पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के कार्यालय मे कांग्रेस कार्यकर्त्ता जमा हुए जहा पूर्व विधायक ने संबोधित करते हुए कहा कि छः महीने की इस भाजपा सरकार मे प्रशासन पर पकड़ ढीली हो गई है ।चाहे शिक्षा हो स्वास्थ्य हो खाद बीज की कमी हो कानून व्यवस्था हो बिजली की समस्या हो सरकार हर क्षेत्र मे विफल हो गई है ।उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले दिनों मे हम भाजपा सरकार के खिलाफ बढ़ा जन आंदोलन करेंगे ,सरकार की नाकामियों को उजागर करेंगे ,बेमेतरा के शिक्षा विभाग की लापरवाही को आड़े हाथ लेते हुए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की। इसके बाद शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबारी करते हुए रैली के शक्ल मे घेराव करने निकले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरीकेट्स लगाकर रोकने का प्रयास किए पर कांग्रेस कार्यकर्ता बैरीकेट्स को लांघकर जिला शिक्षा कार्यालय का घेराव कर दिए,जहा महापुरुषों के अपमान को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी तथा संस्था प्रमुख के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की गई। सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा ने कहा कि बेमेतरा मे शिक्षा व्यवस्था का बुरा हाल है आत्मानंद हिंदी उत्कृष्ट विद्यालय और सीनियर बेसिक स्कूल का शेड छतिग्रस्त हुए 20 दिन से ऊपर हो गया पर उसकी मरम्मत नहीं की गई जिसके कारण छात्र छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है ,जिस तरह से देवियों और महापुरुषों की फोटो 15 दिन तक जमीन पर पड़ी रही और शिक्षा विभाग ने इसकी सुध भी नही ली ,पूरे जिले मे स्कूल मे शिक्षको की कमी है इन अव्यवस्थाओं के खिलाफ आज आंदोलन किया गया तथा जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही की मांग करते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम से ज्ञापन सौंपा गया साथ ही महापुरूषों की फोटो को सम्मान पूर्वक अनुविभागीय अधिकारी को सौप दिया गया। प्रदर्शन में आशीष छाबड़ा पूर्व विधायक,बंशी पटेल जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी, लूकेश वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शकुंतला मंगत साहू ,जोगेंद्र छाबड़ा ,ललित विश्वकर्मा , रासबिहारी कुर्रे अध्यक्ष नगर पंचायत बेरला,भारत भूषण साहू उपाध्यक्ष नगर पंचायत बेरला,राजा चौबे जिला अध्यक्ष युवक कांग्रेस ,राजू साहू जिला अध्यक्ष एन एस यू आई,अवनीश राघव , टी आर जर्नादन, रीना वर्मा अध्यक्ष जनपद पंचायत बेमेतरा ,रीता पांडे,पार्षद मनोज शर्मा , रश्मि मिश्रा , अखिलेश नामदेव, राम ठाकुर, रेहाना रवानी,रानी धरम वर्मा, प्रदीप ठाकुर, प्रांजल तिवारी, टिकेंद्र परगनिहा, सुनील नामदेव, इंदरचंद जैन, गौकरण टंडन, मिथलेश वर्मा , मोनल सिन्हा ,हरीश साहू, जगजीत सिंग,चंदू शीतलानी, प्रशान्त तिवारी , निन्नी देवांगन, शंकर चौहान, देवचरण गोसाई, रुबी सलूजा , दयासिंह वर्मा, बहल वर्मा, ऋषि वर्मा , वसीम मुनीर,श्रीराम यदु, कुमार वर्मा, सीताराम यदु, प्रकाश साहू ,बलवंत साहू , रामसंजीवन ,मोहन वर्मा,राजू वर्मा,रामखिलावन साहू,संतोष तिवारी,सुरेन्द्र वर्मा, गोलू साहू, धनराज बंजारे,गोविंदा राजपूत,राजू रजक, जयप्रकाश राज,रवि गुप्ता, तोरण साहू,सोहन साहू, सुरज ठाकुर शशांक दुबे, जितेन्द्र जोशी, संस्कार शर्मा, मेहतर राम साहू, अभिमन्यु, पप्पू साहू सहित सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर से साहू समाज के प्रतिनिधियों ने की सौजन्य भेंट

कलेक्टर ने क़ी जिले को अग्रणी बनाने मिलकर काम करने क़ी अपील

बलौदाबाजार(संवाददाता)। जिले के साहु समाज के पदाधिकारियों ने बुधवार को कलेक्टर दीपक सोनी से सौजन्य मुलाक़ात क़ी। उन्होंने जिले में समाज क़ी गतिविधि एवं जिला प्रशासन के प्रति समाज के सहयोगात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराया। कलेक्टर सोनी ने पदाधिकारियो से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जिले को अग्रणी बनाने के लिए हम सब को मिलकर काम करना होगा। कलेक्टर सोनी ने कहा जिला आपकी जन्म एवं कर्मभूमि है आप को यहीं रह कर समाज के लिए काम करना है। जिले की बेहतरी के लिए आप सबकी सुझाव आमंत्रित है। यदि कोई समस्या हो या व्यवस्था दुरुस्त करना हो तो बताएं उसका निदान किया जाएगा।सभी का सर्वांगीण विकास ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि शासन के नियम के अनुसार जो भी सहायता किया जा सकता है लोगो क़ी सहायता क़ी जाएगी।उन्होंने कहा कि जिले में शांति एवं भाई चारा का वातावरण बनाने में सबका सहयोग जरुरी है। कहीं भी लोकशांति भंग होने क़ी जानकारी मिलने पर प्रशासन को तत्काल सूचित करें।

सूचना देने वाले क़ी पूरी गोपनीयता रखी जाएगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनील साहु, रेवा राम,देवेंद्र साहू, सुरेंद्र साहु, पारसमणी साहु सहित अन्य सामजिक जन उपस्थित थे।

पुलिस के साथ मारपीट साबित नहीं होने पर आरोपीगण बरी

बलौदाबाजार(संवाददाता)। यातायात पुलिस से उसके ड्यूटी के दौरान मारपीट करने के आरोप साबित नही होने से बलवा, मारपीट एवम शासकीय कार्य में बाधा डालने के तीनों आरोपी को न्यायालय ने बरी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सात साल पहले 2017 में यातायात पुलिस द्वारा की जा रही वाहन चेकिंग के दौरान यशवंत सलूजा के दो पहिया वाहन को रोके जाने को लेकर हुए विवाद के कारण उसे थाना में लाकर उसके साथ पुलिस द्वारा मारपीट किए जाने से पुलिस हिरासत में उसकी मौत हो जाने के बाद बलौदा बाजार में पुलिस के खिलाफ भारी जन आक्रोश हुआ था। सिख समाज के द्वारा भी अरदास के पश्चात आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने हेतु प्रशासन को ज्ञापन देने निकली रैली में तहसील कार्यालय के सामने आशुतोष बंजारे, यातायात पुलिस, जो उस समय ड्यूटी में था, को मृतक जसवंत के साथ मारपीट करने वाले पुलिस के रूप में पहचाने जाने से सिख समाज के कुछ लोगों द्वारा उसे पकड़ कर थाना लेजाने के दौरान हुए पुनः विवाद के चलते पुलिस द्वारा दलजीत सलूजा, सुमीत चावला और निर्मल सलूजा के विरुद्ध बलवा, मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया गया था। तब तीनों आरोपी गण द्वारा अपने बचाव हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चन्द्र श्रीवास्तव को अपना वकील नियुक्त किया गया था। उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम का अपराध होना नहीं पाने से उक्त धारा के आरोप को निरस्त कर दिया था। शेष आरोपों से भी विचारण न्यायालय मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी द्वारा दोनों पक्षों का दलील सुनने के बाद आरोपी गण के विरुद्ध अभियोजन द्वारा उक्त अपराध प्रमाणित करने में असफल होने से तीनों आरोपी को बरी कर दिया गया है।

25 जून को भाजपा ने काला दिवस के रूप में मनाया

लवन(संवाददाता)। मंगलवार 25 जून 1975 की आपात कॉल को याद करते हुए पूज्य सिंधी पंचायत भवन, तिल्दा में भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम ÷लोकतंत्र का काला दिवस÷ के रूप में मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में टंक राम वर्मा बलौदाबाजार विधायक व राजश्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन शामिल हुए।इस अवसर पर मंत्री वर्मा ने आपातकाल के दौरान बंदी बनाये गए राष्ट्रभक्त मीसा बंदी मालूराम शर्मा एवं शत्रुघ्न वर्मा को सम्मानित किया। कार्यक्रम में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा एवं अन्य जन प्रतिनिधिगणों सहित बड़ी संख्या में जन सामान्य की उपस्थिति रही।

बेलोतीपारा के बच्चों को मिला वेलकम पार्टी

कोण्डागांव (संवाददाता)। कलेक्टर कुणाल दुदावत के आदेशानुसार डीईओ आदित्य चांडक एवं बीईओ मनोज दुबे के मार्ग दर्शन में शासकीय विद्यालय बेलोतीपारा मसोरा में अध्ययनरत बच्चों को वेलकम पार्टी (नेवता भोजन) की व्यवस्था गांव के शिक्षाविद, सेवानिवृत शिक्षक सोहांगुराम मरकाम और उनके पुत्र एवं पुत्रवधु परमिला अशोक मरकाम शिक्षक द्वारा शाला में अध्ययनरत सभी 29 बच्चों के लिए पौस्टिक भोजन के साथ खीर पुड़ी और जलेबी की व्यवस्था कर सपरिवार उपस्थित होकर भोजन परोसा गया। वही सोहांगुराम मरकाम द्वारा उपस्थित पालक तिलक यादव, धरसू मरकाम, रमिला बघेल, बैसाखिन के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। शाला प्रवेश उत्सव में संस्था की प्रधान पाठिका हीना साहू द्वारा बच्चों का गुलाल चंदन की तिलक और फूलमाला पहनाकर स्वागत और निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश प्रदान किया गया। मिडिल हेडमिस्ट्रेस सुनीता मरकाम के हाथों सक्रिय पालक मेहतुराम नाग और शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुनीता मरकाम का सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजन

कोण्डागांव(संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर नशा मुक्ति केंद्र बनियागाँव जिला कोण्डागांव द्वारा बुधवार दोपहर को गोलावंड बाजार में नशापान के विरुद्ध जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें ए के नेताम अध्यक्ष नशा मुक्ति केंद्र बनियागांव ने बताया कि, हर प्रकार का नशा मनुष्य के लिए हानिकारक ही होता है। नशे की लत से स्वास्थ्य हानि होती है। नशे का आदी व्यक्ति निष्क्रिय हो जाता है और उसकी शक्ति क्षीण हो जाती है। उसके सोचने समझने की शक्ति कम हो जाती है और धन का अपव्यय भी होता है। समाज में मादक पदार्थों के कारण अपराधों में वृद्धि हो रही है। नशा मुक्ति केंद्र बनियागांव के अध्यक्ष व स्टाफ ने स्थानीय सिटी कोतवाली थाना परिसर कोण्डागांव के साथ मिलकर नशे की लत के कारण, दुराचार कदाचार आदि कृत्य बढ़ रहें हैं।

वार्ड परीसीमन के लिए नगर पालिका अमला सर्वे कर रहा वार्ड में

किरंदुल(संवाददाता)। नगर पालिका चुनाव जो कि इस वर्ष के अंत तक होगा। जिसकी तैयारी का प्रारंभिक चरण में वार्डो का परिसीमन किया जा रहा है। किरंदुल नगर पालिका की वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार 18887 जनसंख्या है और कुल 18 वार्ड हैं जिसके आधार पर प्रत्येक वार्डो का परिसीमन किया जा रहा है जिससे वार्डो की सीमा तय होंगी। किए गए सर्वे कार्य के दौरान उप अभियंता टी आर सिन्हा, राजस्व निरीक्षक डी एस साहू, सहायक राजस्व निरीक्षक गौरीशंकर तिवारी, नरेश साहू,मनराखन ठाकुर, सुमंत पटेल आदि कर्मचारी मौजूद रहें।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर रविवार 30 जून 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

लोकसभा सत्र की शुरुआत के साथ बढ़ीं उम्मीदें

संपादकीय

अठारहवीं लोकसभा की औपचारिक शुरुआत के साथ उम्मीद यही की जाएगी कि नए संसद सदस्यों ने चुनावों के दौरान जनता के सामने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के लिए वे अपनी ओर से सब कुछ करेंगे। सोमवार को पहले सत्र में नए सांसदों के शपथ लेने और बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के बाद गुरुवार को राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित होगा,इसके बाद तीन जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में फिलहाल परीक्षा में नकल के रोग, धांधली और सुर्खियों में आए कई जरूरी मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के आसार बन रहे हैं। जाहिर है, संसद में जनता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत या बहस एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को ही आगे बढ़ाएगी, मगर साथ ही यह अपेक्षा होगी कि ऐसी बहसें किसी ऐसे बेमानी टकराव का रुख न अख्तियार करे, जिसमें मुख्य सवाल शोर में गुम हो जाएं और समस्याओं का कोई ठोस हल न निकले। दरअसल, पिछली लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव जिस स्तर तक चला, उसमें ऐसे अवसर कम आए, जिसमें जनहित के मुद्दों पर सार्थक बहस हो और किसी मसले पर सामने आए हल में सबकी भागीदारी दिखे। ऐसी शिकायतें कई बार उभरीं जिसमें असहमति के स्वर तीखे होने के बाद विपक्ष ने सदन का बहिर्गमन किया और कई मुद्दों और विधेयकों पर पर्याप्त बहस नहीं हो सकी।इस बार संख्या बल की कसौटी पर विपक्ष बेहतर स्थिति में है और दोनों पक्षों का जिस तरह का ढांचा खड़ा हुआ है, उसमें स्वाभाविक ही पिछली लोकसभा के मुकाबले ज्यादा संतुलन दिखने की संभावना है। मगर जरूरी यह है कि किसी मुद्दे पर असहमति ऐसे टकराव में न तब्दील हो जिसमें उससे जुड़े अलग-अलग पहलू पर चर्चा न हो सके। यह छिपा नहीं है कि किसी सदन में जिन मसलों पर सदस्यों के बीच व्यापक बहस की जरूरत होती है, वह कई बार इसलिए संभव नहीं हो पाती है कि हंगामे के नतीजे में सदन को बार-बार स्थगित किया जाता है।सवाल है कि जनता ने जिन्हें अपना प्रतिनिधि चुन कर संसद में भेजा है, अगर वे वहां किसी भी वजह से जनहित के मुद्दों पर बात नहीं कर पाते हैं तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है। लोकतंत्र का बुनियादी मूल्य यही है कि विधायिका जनता का प्रतिनिधित्व करती है और वहां उसके व्यापक हित में ही काम होना चाहिए। यह तभी संभव है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष संसद में अपनी-अपनी जवाबदेही को गंभीरता से लें।

महज असहमति की वजह से एक-दूसरे को खारिज करके देश के आम लोगों का भला नहीं किया जा सकता।निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्तर पर कोई समस्या खड़ी होती है, तो उसका हल निकालना सरकार की जिम्मेदारी है और विपक्ष का यह दायित्व है कि वह इस मसले पर अपना वाजिब लोकतांत्रिक हस्तक्षेप करे। इस क्रम में सदन अगर हंगामे का अखाड़ा बन जाता है तो इससे सिर्फ सदन के समय और उस पर होने वाले खर्च की बर्बादी ही होगी।

भाजपा को उत्तर प्रदेश में पराजय के बोध से उबरना ही होगा

प्रदेश में भाजपा की पराजय के जो मुख्य बिंदु निकलकर सामने आ रहे हैं उसमें प्रत्याशियों का गलत चयन, राजग गठबंधन के नेताओं की गलत बयानबाजी, क्षत्रियों व राजपूतों की नाराजगी को हलके में ले लेना तथा मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में वोट जिहाद का हो जाना आदि तो था ही मीडिया की मानें तो संघ व भाजपा के बीच आतंरिक टकराव भी एक कारण रहा। वर्तमान समय में जब नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में ऐसे ऐसे अदभुत कार्य हो रहे हैं जिनका प्रभाव हजार साल तक रहने वाला है उस समय संघ नेतृत्व ने इतनी बड़ी गलती क्यों कर दी? क्या वो सच ही मोदी जी का अहंकार तोड़ना चाहते थे या अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मार रहे थे? क्या स्वयं को मातृ संस्था कहने वालों को भी आत्मसंयम का परिचय नहीं देना चाहिए था? ये कठिन प्रश्न मीडिया और सोशल मीडिया में जंगल की आग की तरह फैल चुके हैं। इसे पूरे दावानल में आम सनातनी ठगा सा खड़ा है।

(मृत्युंजय दीक्षित)

उत्तर प्रदेश में भाजपा की पराजय के साइड इफैक्ट हर तरफ दिखने लगे हैं। जिन जिलों में इंडी गठबंधन के सांसद बने हैं उन जिलों में आपराधिक गतिविधियों में जबरदस्त तेजी आई है। सीतापुर जिले में नए बने कांग्रेस सांसद ने थाने में धरना देकर एक नाबालिग अपराधी को थाने से ही छुड़ा लिया।

उत्तर प्रदेश की जनता ने 2024 लोकसभा चुनावों में हैरान करने वाले चुनाव परिणाम दिये हैं। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 80 में से 80 लोकसभा सीटें जीतने का नारा दिया था किंतु भाजपा गठबंधन मात्र 37 सीटों पर ही सिमटकर रह गया। भाजपा अयोध्या वाले संसदीय क्षेत्र फैजाबाद तक से हार गई जहाँ प्रभु श्रीराम दिव्य भव्य एव नव्य राम मंदिर में प्रवेश कर चुके हैं तथा विविध प्रकार के विकास कार्य चल रहे हैं । ये हार हर किसी को आश्चर्य में डाल रही है। आज भी हर तरफ यही चर्चा हो रही है कि अरे भाजपा फैजाबाद में कैसे हार गई ? आखिर क्यों, फिर यह चर्चा लंबी खिंच जाती है और भाजपा समर्थकों व शुभचिंतकों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंचने लगती हैं कि अब होगा क्या? भाजपा का हर शुभचिंतक अपने अपने स्तर पर गहन समीक्षा कर रहा है किंतु क्या बीजेपी आलाकमान व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जनमानस की चिंताओं के साथ खड़े हैं या नहीं। महिलाएं भी अयोध्या पराजय पर चर्चा कर रही हैं कि फ्री राशन, घर, शौचालय, दवाई व राम मंदिर के बाद भी भाजपा क्यों पराजित हो गई?

प्रदेश में भाजपा की पराजय के जो मुख्य बिंदु निकलकर सामने आ रहे हैं उसमें प्रत्याशियों का गलत चयन, राजग गठबंधन के नेताओं की गलत बयानबाजी, क्षत्रियों व राजपूतों की नाराजगी को हलके में ले लेना तथा मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में वोट जिहाद का हो जाना आदि तो था ही मीडिया की मानें तो संघ व भाजपा के बीच आतंरिक टकराव भी एक कारण रहा। वर्तमान समय में जब नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में ऐसे ऐसे अदभुत कार्य हो रहे हैं जिनका प्रभाव हजार साल तक रहने वाला है उस समय संघ नेतृत्व ने इतनी बड़ी गलती क्यों कर दी? क्या वो सच ही मोदी जी का अहंकार तोड़ना चाहते थे या अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मार रहे थे? क्या स्वयं को मातृ संस्था कहने वालों को भी आत्मसंयम का परिचय नहीं देना चाहिए था? ये कठिन प्रश्न मीडिया और सोशल मीडिया में जंगल की आग की तरह फैल चुके हैं। इसे पूरे दावानल में आम सनातनी ठगा सा खड़ा है।

प्रदेश में भाजपा की पराजय के साइड इफैक्ट हर तरफ दिखने लगे हैं। जिन जिलों में इंडी गठबंधन के सांसद बने हैं उन जिलों में आपराधिक गतिविधियों में जबरदस्त तेजी आई है। सीतापुर जिले में नए बने कांग्रेस सांसद ने थाने में धरना देकर एक नाबालिग अपराधी को थाने से ही छुड़ा लिया। इकरा हसन के समर्थकों ने हिन्दुओं पर हमला बोला और सोनभद्र में एक हिन्दू परिवार घर छोड़ने को विवश है, ऐसी ही अनेक घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त हो जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों का भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यव्यहार बढ़ता जा रहा है। राजधानी लखनऊ में वाहन जांच के नाम पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी के साथ अभद्रता की गई यद्यपि घटना के बाद ट्रैफिक दारोगा आशुतोष त्रिपाठी को निलंबित कर दिया गया है। राकेश त्रिपाठी का कहना है कि पुलिस भाजपा का झंडा लगा देखकर वाहन को रोक रही है जब

लखनऊ में भाजपा प्रवक्ता के साथ इस प्रकार की घटना घटित हो रही है तब प्रदेश के दूसरे जिलों में क्या हाल हो रहा होगा। प्रदेश का पुलिस प्रशासन अभी भी लापरवाही तथा भ्रष्टाचार में संलिप्त है तथा महिला थाने तक में पीड़ितों से रिश्वत मांगी जा रही है। हालाँकि अकबरनगर का अतिक्रमण हटाकर सरकार ने सख्त प्रशासन की अपनी छवि बचाने का प्रयास किया है।

मीडिया की मानें तो राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने उप्र के अवध क्षेत्र की सीटों पर जीतने का जोर नहीं लगाया, अगर यहाँ पर ताकत लगा दी जाती तो भाजपा की कम से कम आठ सीटें तो और बढ़ ही जातीं किंतु मेड़ ही खेत से मुँह मोड़ चुकी हो तो क्या ही कहा जाए। आम सनातनी योगी मोदी की कम सीटों से दुखी है और समाचारों में देखता है कि ये संघ के असहयोग के कारण हुआ है तो उसका मन व्यथित होता है और संघ पर दशकों से किया गया विश्वास डगमगा जाता है। अहंकार किसी का भी हो लेकिन केवल योगी या मोदी नहीं, संघ भी हारा है और अस्तित्व की लड़ाई से जूझ रहा हिन्दू भी। लोकसभा चुनावों के मध्य भाजपा व संघ के बीच मनमुटाव के समाचारों, गलत प्रत्याशी के चयन और उससे भी आगे बढ़कर चयनित प्रत्याशी की गलतबयानी के कारण एक सबसे महत्वपूर्ण सीट हाथ से निकल गई, जिसका व्यापक नकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। रामभक्त विपक्ष के निशाने पर हैं, उनपर तंज कसे जा रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर व अयोध्या के विकास कार्यों पर फेक न्यूज़ फैलाई जा रही है, विपक्ष उसको हवा दे रहा है। अभी हल्की बारिश में अयोध्या धाम के पुराने रेलवे स्टेशन की बाउंड्रीवाल गिर गई जिसको नए स्टेशन की बताकर विकास कार्यों पर कीचड़ उछाला गया। भला हो समय रहते जागरुक नागरिकों ने उसका खंडन कर दिया।

उप्र में योगी ओर केंद्र में मोदी जी कमजोर हो गये तो नुकसान तो हिंदुत्व का ही होना है। संघ अगर अभी नहीं चेता तो उप्र में भी वहीं हालात हो जाएंगे जो केरल से लेकर तमिलनाडु और बंगाल तक हो रहा हैं। गैर बीजेपी शासित राज्यों में भाजपा और संघ के कार्यकताओं की हत्याएं हो रही हैं। संघ को अपनी शाखा तक लगाने तक में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हिंदू जनमानस अपने उत्सव तक नहीं मना पा रहा है। 2022 के विधानसभा चुनावों के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक अपील करी थी कि जरा सी गलती से सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा और 2024 में कुछ लोगों के संकुचित सोच के कारण वही गलती हो गई है।

उत्तर प्रदेश में भी जब सपा, बसपा व कांग्रेस आदि दलों की सरकारें हुआ करती थीं तो संघ के स्वयंसेवक जब अपनी शाखा लगाने के लिए पार्कों में जाते थे तब सपा और बसपा के गुंडे व समर्थक भगवा ध्वज उठाकर बहा देते थे और स्वयंसेवकों के साथ दुर्व्यव्यहार किया जाता था। योगी राज में कम सें कम संघ की शाखाएँ सुरक्षित हैं। प्रदेश में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो गांवों में हिन्दू जनमानस अपने घरों में सुंदर कांड व रामचरित मानस का पाठ नहीं करा पाता था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को योगीराज में हो रहे हिन्दू हित के कार्यों पर भी अपनी दृष्टि डालनी चाहिए थी। लगता है कि योगी सरकार के अच्छे कार्य को संघ व संगठन की दृष्टि से नजरअंदाज कर दिया गया। संघ को विचार करना चाहिए कि 2017 के पूर्व प्रदेश के क्या हालात थे और अब क्या हालात हैं? अगर भाजपा और संघ के बीच मनमुटाव को तत्काल कम नहीं किया गया तो प्रदेश में रामराज्य की संकल्पना ध्वस्त हो जाएगी।

वर्तमान लोकसभा चुनावों में भाजपा की पराजय का एक बहुत बड़ा कारण प्रशासनिक अधिकारी व सरकारी कर्मचारी भी रहे जो योगी जी से केवल इसलिए छुटकारा पाना चाहते हैं क्योंकि इस सरकार में उन्हें काम करना पड़ता है। इनमें से कुछ खुले आम पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की आड़ में विरोधी दलों के साथ मिल गये और प्रदेश में बीजेपी की सीटें कम करवाने के लिए कोई कोरकसर नहीं छोड़ी। अनेक जगहों से समाचार प्राप्त हो रहे है कि कुछ अधिकारी खुलेआम बीजेपी को हराने के लिए ही काम कर रहे थे।

समीक्षा बैठकों में खुलासा हो रहा है कि भाजपा सांसद, विधायकों व जिला टीम के साथ समन्वय व सामंजस्य का पूरी तरह अभाव था। अब जब भाजपा का विशेष जांच दल जिलों में जा रहा है तब उसके सामने ही मारपीट हो रही है।संगठन की तमाम कमियों की जानकारी सामने आ रही है। भारतीय जनता पार्टी जिन पन्ना प्रमुखों को प्रमुखता देती रही है उनमें बहुत से फर्जी निकल गये। संगठनात्मक दृष्टि से पन्ना प्रमुख एक बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा साबित हुआ। लखनऊ जैसे ससंसदीय क्षेत्र में एक भी पन्ना प्रमुख नहीं दिखाई पड़ रहा था तो अन्य जिलों में क्या हश्र हुआ होगा विचारणीय विषय है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की पराजय कष्टकारी है। प्रदेश में व्याप्त अनेकानेक कारकों ने रामराज्य की संकल्पना व अवधारणा को तार-तार कर दिया है। परिस्थितियों को देखते हुए भाजपा को पराजय बोध से निकलना बेहद अनिवार्य हो गया है। प्रदेश में सपा व कांग्रेस का गठबंधन मजबूत हो चुका है तथा अपने निर्वाचित सांसदों के बल पर वह अब अपनी बची हुई कमजोरियों को भी दूर करने का अभियान प्रारम्भ करने जा रहा है। सपा अब गांवों में पीडीए की पंचायत लगाने जा रही हैं। युवाओं को सपा की ओर मोड़ने के लिए नये अभियान होने वाले है। बसपा में आकाश आनंद की वापसी हो गई है तथा इस बार बसपा ने लीक से हटकर उपचुनाव में उतरने का मन बना लिया है। उधर पश्चिमी उप्र में भाजपा के दो दिग्गज नेता संगीत सेम व संजीव बालियान सार्वजानिक रूप से आपस में लड़ रहे हैं।

महज दस घंटे से बढ़ते-बढ़ते पच्चीस घंटे की ओर दिन

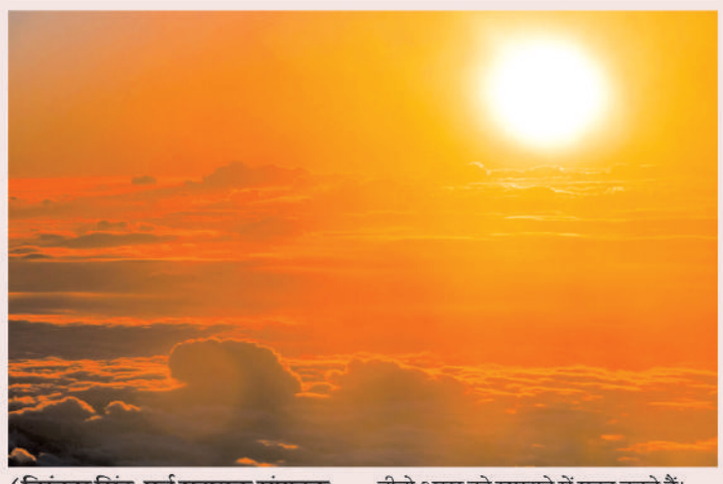

(निरंकार सिंह, पूर्व सहायक संपादक, हिंदी विश्वकोश)

हमारी पृथ्वी का एक दिन 24 घंटे का होता है, पर क्या हमेशा दिन की समय-सीमा यही थी और आगे भी यही रहेगी? अब ऐसा नहीं कहा जा सकता है। भूवैज्ञानिकों का दावा है कि आने वाले समय में दिन की अवधि 24 घंटे से ज्यादा हो सकती है, क्योंकि यह पिछले हजारों साल से बढ़ रही है। जब चंद्रमा का निर्माण हुआ था, तब हमारी पृथ्वी का दिन 10 घंटे का था और आज यह 24 घंटे का है। अनुमान है कि यह समय के साथ बढ़ता रहेगा। दिन का समय हमेशा बदलता रहा है। अब यह धीरे-धीरे लंबा होता जाएगा। ऐसा समय भी भविष्य में आ सकता है कि जब दिन का समय 25 घंटे का हो जाएगा।

भूवैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक दिन में 25 घंटे हो सकते हैं। ऐसा होने की उम्मीद ज्यादा है। यह दावा टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख ने किया है। दिलचस्प बात है कि हमेशा से ऐसा नहीं था, कभी एक दिन में 24 घंटे से कम हुआ करते थे, अब वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक दिन में 25 घंटे हो सकते हैं। ऐसा होने की उम्मीद ज्यादा है। इसकी वजह धरती के घूमने से जुड़ी है। पृथ्वी के घूमने से होने वाला उतार-चढ़ाव खगोल विज्ञान के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इससे कई दिलचस्प जानकारियां मिलती हैं। अब एक दिन में घंटे बढ़ने की बात इसी में हुए बदलाव से सामने आई है। टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख खगोल विज्ञान के क्षेत्र में रिसर्च कर रही है। यह संस्थान पृथ्वी के बारे में डाटा हासिल करने के लिए एक खास तरह के उपकरण का इस्तेमाल कर रहा है। इसे रिंग लेजर कहते हैं। इसका काम पृथ्वी के घूमने के पैटर्न और गति को मापना है। यह इतने सटीक तरह से काम करता है कि पृथ्वी की गति में होने वाले छोटे-बड़े बदलाव को भी आसानी से पकड़ लेता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ठोस और द्रव जैसी चीजें पृथ्वी के रोटेशन या घूमने के गति पर असर डालती हैं। ये बदलाव वैज्ञानिकों को नई जानकारियां देने के साथ मौसम में जुड़े बदलाव, जैसे अल नीनो असर को समझने में मदद करते हैं।

रिपोर्ट कहती है कि लेजर रिंग एक ऐसा गायरोस्कोप है, जो धरती के 20 फिट नीचे एक खास तरह के दबाव वाले हिस्से में है। यहां से निकलने वाला लेजर धरती के घूर्णन, यानी घूमने की गति में होने वाले बदलाव को तुरंत पकड़ लेता है। यहीं से घंटों के बढ़ने की संभावना पर वैज्ञानिकों ने अपनी मुहर लगाई है। खगोल वैज्ञानिक दावा करते हैं कि आज भले ही 24 घंटे का एक दिन है, लेकिन डायनासोर के दौर में एक दिन में 23 घंटे होते थे। एबीसी की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उस युग में चांद धरती के थोड़ा पास हुआ करता था। इस रिपोर्ट के अनुसार, यह बदलाव ऐसा नहीं है कि सब कुछ एक ही दिन में हो जाएगा। यह धीरे-धीरे होगा।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि करीब 20 करोड़ साल बाद एक दिन 25 घंटे का हो जाएगा। कभी पृथ्वी पर ऐसा भी दौर था, जब दिन की लंबाई केवल 19 घंटे थी। धरती के बनने के समय पृथ्वी अपनी धुरी पर 10 घंटे से भी कम समय में घूमती थी, यानी एक दिन महज 10 घंटा का था। अब हर 24 घंटे में एक बार पृथ्वी अपनी धुरी पर चक्कर पूरा करती है, जो एक दिन को दिखाता है। पृथ्वी का घूमना वास्तव में इस ग्रह की उत्पत्ति की कहानी का प्रमाण है। कोई ग्रह कितनी तेजी से घूमता है, यह इस बात से निर्धारित होता है कि इसका निर्माण कैसे हुआ। जब प्रोटो प्लेनेटरी डिस्क में सूर्य की परिक्रमा करने वाली धूल, चट्टानें और गैस अंतरिक्ष में एक साथ आते हैं, तब ग्रह-निर्माण होता है।

हमारी पृथ्वी के दिन की लंबाई हमें सुसंगत और एक समान लग सकती है, पर ऐसा नहीं है। बहुत धीरे-धीरे इसमें बदलाव आ रहा है। एक शताब्दी में दिन का समय 1.7 मिली सेकंड बढ़ रहा है। वास्तव में, एक साथ अनेक खगोलीय घटनाएं चल रही हैं। एक तथ्य यह भी है कि चंद्रमा धीरे-धीरे पृथ्वी से दूर होता जा रहा है। कहा जाता है कि परिवर्तन सृष्टि का नियम है और हमें हर हाल में तालमेल बिठाकर चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जूलियन असांज के खुलासे से दुनिया में उथलपुथल, क्या हुआ विकीलीक्स के खुलासों का असर

उनका दोष सिर्फ ऊंचे सरकारी ओहदों पर बैठे लोगों की बातचीत और उनके ऑडियो-विडियो आदान-प्रदान को खुले में ला देने का था। यह रिहाई भी उन्हें खुद को अमेरिका के जासूसी कानून के उल्लंघन का दोषी मान लेने के बाद जमानत की शक्ल में हासिल हुई है। इस तकनीकी आधार पर कि उनका अपराध उन्हें पांच साल से ज्यादा की सजा का हकदार नहीं बनाता, जो वे पहले ही भुगत चुके हैं।

(चंद्रभूषण)

विकीलीक्स के संस्थापक-संपादक जूलियन असांज की रिहाई के साथ राजकाज में पारदर्शिता की मांग से जुड़ी एक लंबी लड़ाई का पटाक्षेप हो गया। अमेरिका सहित कई देशों के बहुत सारे सरकारी रहस्यों के पर्दाफाश में अहम भूमिका निभाने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई हैकर को कुल बारह साल दुनिया से अलग-थलग रहकर बिताने पड़े।

- **तकनीकी आधार पर जमानत-** ये रहस्य असांज ने जासूसी करके नहीं निकाले थे। उनका दोष सिर्फ ऊंचे सरकारी ओहदों पर बैठे लोगों की बातचीत और उनके ऑडियो-विडियो आदान-प्रदान को खुले में ला देने का था। यह रिहाई भी उन्हें खुद को अमेरिका के जासूसी कानून के उल्लंघन का दोषी मान लेने के बाद जमानत की शक्ल में हासिल हुई है। इस तकनीकी आधार पर कि उनका अपराध उन्हें पांच साल से ज्यादा की सजा का हकदार नहीं बनाता, जो वे पहले ही भुगत चुके हैं।
- **गिरफ्तार करने की बेकरारी-** जूलियन असांज ने सरकारी दस्तावेजों के खुलासे के लिए एक ग्लोबल प्लैटफॉर्म के रूप में 2006 में विकीलीक्स की स्थापना की। तब से लेकर 2012 में इक्वाडोर के दूतावास में एक किस्म की नजरबंदी में जाने के पहले तक उन्होंने जो किया, उस पर जाने से पहले हमें उस हड़बड़ी को याद करना चाहिए जो उस वक्त अमेरिका, ब्रिटेन और स्वीडन की ताकतवर 'लोकतांत्रिक' सरकारों में दिखाई पड़ रही थी। असांज को कहीं से भी किसी शर्त पर पकड़वा लेने की कोशिश में उनपर स्वीडन में यौन उत्पीड़न का एक मुकदमा दायर किया गया। सबसे विचित्र बात थी मुकदमा दायर करने वाली महिला का यह बयान कि यौन संसर्ग शुरू होने से पहले उन्होंने इसकी स्वीकृति दी थी लेकिन यौनक्रिया के बीच में ही स्वीकृति वापस ले ली, लिहाजा उत्पीड़न तो हुआ।
- **कच्चा-चिट्ठा उजागर करने की सजा-** गनीमत रही कि उस समय इक्वाडोर के दूतावास ने असांज को अपने यहां शरण दे दी। 2019 में ब्रिटेन की पुलिस उन्हें दूतावास से जेल ले जाने में सफल हुई, लेकिन इसके साथ ही अमेरिका ने ब्रिटेन पर असांज के प्रत्यावर्तन के लिए दबाव बनाया तो एक ब्रिटिश अदालत ने अपनी सरकार को ऐसा करने की इजाजत नहीं दी। इक्कीसवीं

सदी का यह भी एक कमाल ही कहा जाएगा कि अपने हुनर का माहिर एक सामान्य व्यक्ति किसी चोरी-चकारी के लिए नहीं, अपनी समझ से एक नैतिक काम करने के लिए, जनता के पैसों पर पलने वाली सरकारों का कच्चा-चिट्ठा उजागर करने के लिए इतनी दूर तक चला आया और जानलेवा खतरों के बावजूद कान पकड़कर गिड़गिड़ाने का रास्ता भी नहीं अपनाया।
- **बाइडन को गाली-** ऐसे तो विकीलीक्स पर कई सरकारों के छोटे-बड़े रहस्य उजागर हुए लेकिन सबसे ज्यादा मिर्ची अमेरिका को लगी, क्योंकि सामने आए दस्तावेजों ने कुछेक बड़े अमेरिकी अफसरों और नेताओं की मिट्टी पलीद कर दी। अफगानिस्तान में तैनात एक अमेरिकी जनरल ने उस समय उपराष्ट्रपति रहे मौजूदा राष्ट्रपति जोसफ बाइडन को कहीं अचके में एक बड़ी गंदी गाली दी थी, जिसका जिक्र किसी और अफसर ने अपने ईमेल में किसी हमजोली को कर दिया था। नतीजा यह कि जनरल को तो जाना ही पड़ा, बाइडन को भी 'छवि सुधार परियोजना' चलानी पड़ गई।
- **भस्मासुर बना आइसिस-** अमेरिका के लिए भारी शर्मिंदगी का बायस वह वीडियो बना, जिसमें एक फौजी अपाची हेलिकॉप्टर ने इराक में गोलीबारी करके ग्यारह आम लोगों को मार गिराया था। इस खुलासे का नुकसान यह हुआ कि सद्दाम को मृत्युदंड दिए जाने के बाद इराक में बनी शिया हुकूमत अमेरिका के बुरी तरह खिलाफ हो गई और ईरान से उसकी नजदीकी बढ़ती गई। उसे काबू में रखने के लिए बराक ओबामा की सरकार ने आइसिस नाम के कट्टरपंथी संगठन की पीठ ठोक दी। जल्द ही उसका फैलाव भस्मासुर की तरह होने लगा लेकिन उसकी कत्लोगारत के बावजूद अमेरिका से कुछ करते नहीं बन रहा था।
- **हिलेरी की हार-** विकीलीक्स की एक बड़ी शिकार हिलेरी क्लिंटन भी बनीं, जिनकी उम्मीदवारी 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बहुत गंभीर मानी जा रही थी। लेकिन अपने चुनाव अधिकारियों के साथ उनकी कुछ खतो-किताबत इतनी संवेदनशील निकली कि अमेरिका का डेमोक्रेट जनमत उनके खिलाफ भले न हुआ, उसका उत्साह जाता रहा और डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ हिलेरी चुनाव हार गईं।
- **राहुल गांधी की टिप्पणी-** भारत में विकीलीक्स का कोई बड़ा धमाका तो नहीं हुआ लेकिन राहुल गांधी ने अमेरिकी राजदूत से देश में हिंदूवादी राजनीति को लेकर कोई बात कही- शायद यह कि बहुसंख्यकवादी कट्टरपंथ यहां अल्पसंख्यक कट्टरपंथ की तुलना में कहीं ज्यादा खतरनाक है- जो लीक हो गई।
- **मैनिंग का योगदान-** यहां विकीलीक्स की लाई उथल-पुथल के पीछे जूलियन असांज के अलावा जिस एक व्यक्ति की भूमिका खास तौर पर रेखांकित की जानी चाहिए, वे हैं अमेरिका की सैन्य गुप्तचर सेवा से जुड़ी चेल्सी मैनिंग, जो ब्रैडली एडवर्ड मैनिंग नाम का पुरुष हुआ करती थीं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, रविवार 30 जून 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

मोबाइल को मत छोड़ो, पर भगवान और गुरु जी के सामने तो मोबाइल का प्रयोग मत करो : आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी

हैदराबाद/औरंगाबाद (विश्व परिवार)। शुक्ल लेश्या अर्थात निर्मल परिणाम स्फटिक की भाँति पदम लेश्या वाला व्यक्ति सदा त्याग की भावना रखता है। धर्म, मंदिर और गुरु की ओर उसकी दृष्टि रहती है। शुक्त लेश्या मोक्ष का मार्ग खोलती है।

आगापुरा स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर स्थानीय और दूर-दूर से पधारे श्रद्धालुओं को धर्म का अवण कराते हुए अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसत्र सागरजी महाराज ने कहा कि जब तक पर नजर है तब तक जिंदगी में परेशानियां ही परेशानियां आएंगी। जिस दिन नजर पर से हटकर स्व की ओर आ जाएगी उस दिन परेशानियां खत्म हो जाएंगी। मैं जानता हूं कि आप पाप सर्वधा नहीं छोड़ सकते परंतु कम से कम धर्म स्थलों पर तो पाप मत करो। मोबाइल को मत छोड़ो, पर कम से कम भगवान और महाराज जी के सामने तो मोबाइल का प्रयोग मत करो।

आगापुरा स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में प्रवचन देते पूज्य आचार्य 108 प्रसत्र सागरजी म.सा.। साथ में उपाध्याय मुनि श्री 108 पीयूष सागरजी, प्रवर्तक मुनि श्री 108 डॉ. सहज सागरजी महाराज व धर्मप्रेगी।

धर्मात्मा दिखने की नहीं, बनने की कोशिश करो। जब तक देव शास्व गुरु से अटैचमेंट नहीं है तब तक तुम्हारा कल्याण नहीं हो सकता। तपाचार्य प्रसत्र सागरजी महाराज ने अशुभ लेश्याओं के वर्णन के बाद अब शुभ लेश्याओं का वर्णन करते हुए कहा कि जो व्यक्ति पीत लेश्या के परिणामों से अपने मन को पवित्र कर आत्मोत्थान की ओर अग्रसर होता है वह क्रमश: पीत से पद लेश्या और शुक्ल लेश्या का अवलंबन लेता है। उपाध्याय मुनि श्री 108 पीयूष सागरजी महाराज ने कहा कि जीवन का आनंद निस्वार्थ भावना में ही है। हम बाहरी दुनिया में इतना उलझ गए हैं कि अपनों को और खुद को हो भूल गए हैं। बाहरी भौतिक सामग्री पर नजर मत डाली। अपने विचारों पर नजर रखो। परिणाम अच्छे होंगे। प्रभावी वक्ता प्रवर्तक मुनि श्री 108 डॉ. सहज सागरजी महाराज ने कहा कि नरक में तीन अशुभ लेश्याएं होती हैं। एक इंद्रीय से पंचेन्द्रीय और असंज्ञी तक अशुभ लेश्या होती है। शुभ लेश्या स्वर्ग और भीव भूमि में होती है। मुनि श्री 108 नव पदम सागरजी महाराज ने कहा कि बदला लेने की नहीं बल्कि अपने को बदलने की भावना रखो। अपनी पूजा की गाह मत करो अपितु दूसरों का सम्मान करो। गुरु से जुड़े रहो। शुल्लक श्री 105 नैगम सागरजी ने कहा कि जीवन में भेद विज्ञान अति आवश्यक है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल

जिदंगी में कुछ ऐसा करो कि प्रत्येक व्यक्ति आपसे जुड़ने की इच्छा करे : मुनि श्री वीरसागर जी महाराज

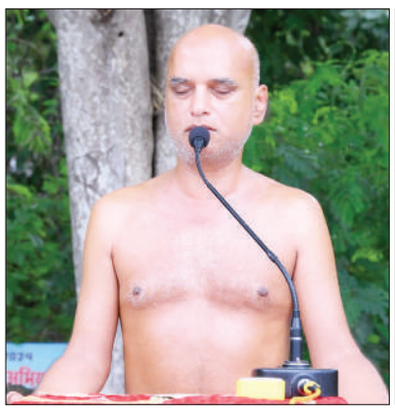

विदिशा (विश्व परिवार)। जिदंगी में कुछ ऐसा करो कि प्रत्येक व्यक्ति आपसे जुड़ने की इच्छा करे जहां आपके कदम पड़े वह स्थान कीमती हो जाऐ जिधर से आप निकलें वहां की हवा भी औषधि वन जाऐ जिस जल को आप स्पर्श करें वह जल पवित्रता के साथ लोग माथे पर लगा लें, जिस सिला पर आप खड़े हो जाऐं वह सिला कींमती हो जाऐ, क्याआपका जीवन कुछ ऐसा है? प्रश्न करते हुये उपरोक्त उद्गार निर्यापक श्रमण मुनि श्री वीरसागर जी महाराज ने श्री शांतिनाथ जिनालय स्टेसन जैन मंदिर में प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि कुछ लोगों का जीवन ऐसा होता है जिनको लोग अपने हृदय में स्थान देते है, एवं कुछ लोगों के आने से ही दूर भागते है आप लोग किस श्रैणी में आते है इसका निर्णय आपको स्वं करना है, उन्होंने कहा कि कम से कम जिस पद पर आप बैठो हो उस पद के साथ तो न्याय करो कि लोग तुम्हारे काम को याद करें। मुनि श्री ने संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महाराज का उदाहरण देते हुये कहा कि जिन्होंने अपने माता पिता अपने गुरूदेव के नाम को अपने गांव अपने प्रांत अपने देश में ही ऊंचा नहीं किया वल्कि समूचे विश्व में जैन साधू की चर्या और दिगंम्वरत्व को उच्च स्थान पर बैठा दिया। जब कभी भी कोई जैन संत किसी नगर से निकलते है,तो अनायास किसी को उन मुनि का नाम याद आऐ न आऐ लेकिन सदलगा के संत आचार्य विद्यासागर का नाम जरुर याद आ जाता है। उन्होंने कहा कि कुंडलपुर के बड़े बाबा भगवान आदिनाथ को उच्चासन पर विराजमान कर भव्य मंदिर का निर्माण कर स्वं छोटे बाबा के नाम से ख्याति को प्राप्त किया। जिसकी यशोगाथा युगों युगों तक गायी जाऐगी। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि प्रात: 5:30 बजे से माधव उद्यान के प्राकृतिक बातावरण में ओमकार की ध्वनि के साथ ध्यानयोग के माध्यम से अपने आपको कैसे संतुलित करें के लिये लगभग एक घंटे का ध्यान योग कराया। उपस्थित जन समुदाय ने मुनि श्री के द्वारा कराऐ गये योग से अपने आपको प्रफुल्लित महसूस किया। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया रविवार 30 जून को पुन्हा 5:30 बजे से ध्यान योग माधव उद्यान में ही होगा, जिसमें सभी युवाओं को शिक्षा एवं व्यवसाइक परिक्षा के दौरान मेडीटेशन के माध्यम से अपने आपको तनाव से कैसे मुक्त करें पर मुनि श्री का मौटीवैशन स्पीच भी प्राप्त होगा। ज्ञातव्य रहे मुनि श्री ने गृहस्थ जीवन में स्वं उच्च शिक्षा प्राप्त कर एक बड़े पैकेज की नौकरी को छोड़कर आचार्य श्री से प्रभावित होकर बैराग्य को धारण किया था। 30 जून को ही आचार्य श्री का 57 बां दीक्षा दिबस बड़े ही भक्तीभाव के साथ परिणयगार्डन किरीमौहल्ला में मनाया जाऐगा। प्रात:8 बजे से आचार्य श्री की संगीतमय पूजन होगी,एवं मुनि श्री के प्रवचन का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम उपरांत 9-45 से आहार हेतु चर्या हेतु मुनिसंघ श्री महावीर दि. जैन मंदिर किरीमौहल्ला से पड़गाहन होगा। श्री सकल दि. जैन समाज श्री दि. जैन शीतल विहार न्यास ट्रस्ट सहित मुनिसेवक संघ,समग्र पाठशाला समिति, सभी महिला मंडलों सहित साधर्मी वंधुओं से निवेदन है कि वह रविवार को प्रात:8 बजे मुनिसंघ से चातुर्मास के निवेदन हेतु परिणयगार्डन में पहुंचकर अपना निवेदन श्री फल के साथ प्रस्तुत करें। **-अविनाश जैन**

भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर जी मुनिराज ने कहा- मुस्कुराना ही जीवंत मानव की पहचान

गुरुग्राम (विश्व परिवार)। जीवन है पानी की बूंद महाकाव्य के मूल रन्चियता, जिनागम पंथ प्रवर्तक भावलिंगी संत श्रमणान्चार्य गुरुदेव श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज का धर्मनगरी गुरुग्राम में हुआ भव्य मंगल पदार्पण। 29 जून शनिवार को प्रात: बेला में आचार्य श्री अपने संघस्थ 24 मुनिराज और आर्यिका माताजी सहित मोलिवु सिटी से पद ?विहार करते हुए गुरुग्राम के जैकबपुरा में स्थित 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय में पधारे। सम्पूर्ण जैन समाज ने गाजे-बाजे वे के साथ आचार्यसंघ की भव्यातिभव्य भागवानी कर जिनशासन के ध्वज को मुक्त आकाश में फहराया। भव्य आगवानी के साथ ही विशाल धर्मसभा आयोजित की गई। जिसमें दिल्ली, बड़ौत, बादशाहपुर, कृष्णा नगर, राजगढ़, कैलाश-नगर, नजबगढ़, गाजियाबाद, द्वारिका पुरी आदि विभिन्न स्थानों से आगन्तुक भक्त समूह ने गुरुदेव के चरणों में श्रीफल समर्पित किया। मंगलाचरण, द्वीप प्रज्वलन, गुरुपूजन आदि विविध आयोजनों के पश्यात आचार्य श्री ने अपना मांगलिक उद्बोधन प्रदान करते हुए कहा, आपको यह मानव जीवन मुस्कुराने के लिए मिला है। इस धरा पर सर्वप्रथम प्रकृति मुस्कुराई थी जब युग के आदि में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म हुआ था। अक्सर व्यक्ति के मुख पर मुस्कान होती नहीं है किन्तु वह भरपूर कोशिश करता है कि मेरा चेहरा मुस्कुराता हुआ दिखाई दे। बन्धुओ ध्यान रखना, बनावटी मुस्कान 'आपको आन्तरिक शान्ति प्रदान नहीं कर सकती। आंतरिक शान्ति आपको अंतरंग वैभव अर्थात आत्मा के गुणों को जानकर व श्रद्धान करते हुए उन गुणों में लीन होने से ही प्राप्त हो सकती है। धर्म नगरी गुरुग्राम में पूज्य आचार्य संघ का मंगल प्रवास अधिक से अधिक प्राप्त हो, इस हेतु एकल जैन समान ने अपना विनम्र निवेदन किया। **-अशोक जैन**

सरगुजा और बिलासपुर के लिए यलो अलर्ट

रायपुर (आरएनएस)। आज सरगुजा और बिलासपुर संभाग में हल्की से भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 30 जून तक भारी बारिश की संभावना है। वहीं रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के कई जिलों में भी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 110.2 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। कम बारिश के चलते प्रदेश के बांध 32 फीसदी ही भरे हैं। इधर राजधानी रायपुर में बारिश की गतिविधियों पर विराम लगा हुआ है। हल्की बारिश अथवा बूंदाबांदी के अलावा राजधानी रायपुर में अभी तक जोरदार बारिश नहीं हुई है। इसके चलते आसमान से बादल छंटते ही उमस और गर्मी से लोग बेहाल हो रहे हैं। वहीं खेती-किसानी का काम भी दिनों दिन बिछड़ता जा रहा है।

प्रकृति ने हमें अपूर्व खजाना दिया है इसको हम पहचाने : मुनि श्री सुधासागर जी महाराज

तीर्थ वंदना यात्रा को लेकर कमेटी ने मुनि संघ के चरणों में श्रीफल भेंट किए

थूवोनजी कमेटी अशोक नगर समाज चातुर्मास का निवेदन लेकर आये हैं : विजय धुर्रा

अशोक नगर (विश्व परिवार)। प्रकृति ने हमें अपूर्व खजाना दिया है इस खजाने को तुम पहचान नहीं पा रहे तुम इतने निकम्मे निकले कि भाग्य भरोसे बैठकर के जीवन निकालने लगे यदि आप बैठकर खाने लग जायेगा तो सात पीढ़ी का खजाना भी खत्म हो जाएगा ये मात्र मुहावरा नही है यथार्थ सत्य है। ऐसा ही कितना ही पुण्य कमाके व्यक्ति आवे, पूर्व भाव में वह मुनि रहा हो, बड़े बड़े पुण्य किये हो, इतना पुण्य किया हो कि वह चक्रवर्ती या चक्रवर्ती का बेटा हो गया, यहाँ तक कि तीर्थंकर के कुल में जन्म ले लिया तीर्थंकर के कुल में जन्म लेने के लिए कितना पुण्य चाहिए, वह पुण्य लेकर के आया लेकिन वर्तमान में उसने पुण्य नहीं कमाया, वो सोचता रहा क्या कामना? मैं तो पूर्व भव से इतना पुण्य कमाकर आया हूँ कि मेरी जिंदगी में कोई परेशानी आएगी ही नहीं क्योंकि मैं तो तीर्थंकर का बेटा हूँ। यह अहंकार जिस व्यक्ति को आ जाता है, वह जिंदगी में इतनी परेशानी में पड़ जाता है भविष्य बिगड़ जाता जायेगा उक्त आश्य केउद्गार मुनिपुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने पर सोरिया सागर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

जिज्ञासा समाधान का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि गुरु देव के चरण जहां पड़ते हैं वह भूमि तीर्थ वन जाती है सन् उन्नीस सो वानवे में अशोक नगर में विश्व की पहली त्रिकाल चौबीस वनी तव से पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से सैकड़ों जिनालय विद्यालय औषधय वनते चले गए इस नगर भी छ: दिन में ही पार्श्वधाम की सम्पूर्ण भूमिका के साथ शिल्यानास हो पार्श्वधाम का सीघ निर्माण का संकल्प हो गया और सारी व्यवस्थाएं वन गई यह सब गुरु देव के चमत्कारी आशीर्वाद का कमाल है

इसके पहले अशोक समाज अध्यक्ष राकेश कासंल थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल के नेतृत्व समाज के प्रतिनिधियों ने मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज को श्री फल भेंट कर अशोक नगर जिले से होने वाले तीर्थ वंदना यात्रा के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया थूवोनजी कमेटी के मंत्री विनोद मोदी ने कहा कि दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी प्रयास कर रही है वर्षो वाद पूज्य श्री के चरण दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी की ओर बढ़ चले अशोक नगर जैन समाज राकेश कासंल ने कहा कि गुरु चरण अशोक नगर जिले की ओर बढ़े इस हेतु पूरा जिला तीर्थ वंदना का सामूहिक आशीर्वाद चाहता है हम सब इस यात्रा को भक्ति की भक्ति के साथ सुगम आनंद यात्रा के रूप में करने का प्रयास कर रहे हैं इस दौरान जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल कोषाध्यक्ष सुनील अखाई जैन समाज मंत्री विजय धुर्रा थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल मंत्री विनोद मोदी जीवन मामा सहित अन्य भक्तों ने मुनि संघ को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि अतीत के पुण्य पर अहंकार आ गया और जो अतीत का बिल्कुल गरीब है, दरिद्र है, पुण्यहीन है, यदि वर्तमान में उसने पुण्य कमाना शुरू किया तो एक दिन वह किस्मत की लकीरें बदलकर के अमीर आदमी बन सकता है मंदिर भगवान का बन रहा है इसलिए तुम्हें दान नहीं देना क्योंकि मंदिर सबका है, गुरु का आशीर्वाद है इसलिए दान नहीं देना क्योंकि गुरु भी सबके है, तुम्हारे मन में यह भाव आ जाए तो भूखे रहकर भी दान दोगे, मजदूरी करके, यहाँ तक कि कर्ज लेकर भी दान दोंगे बस इतना भाव आना है कि ये भगवान का मंदिर नहीं बन रहा है। **-विजय धुर्रा**

स्वस्थ जीवन के लिए पौधे लगाकर उनकी देखभाल करें : पंडित विनोद शर्मा

शहर के डोभापारा में चल रहे भागवत कथा में सती प्रसंग पर हुई चर्चा

राजिम (विश्व परिवार)। शहर के डोभापारा में चल रहे श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के सप्ताह के चौथे दिन की कथा में भागवताचार्य पंडित विनोद शर्मा ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण साक्षात ईश्वर का स्वरूप है। इन्हें सुनने से ही मन पवित्र हो जाता है तथा सही तरह से जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने सती अनसूया प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। बताया गया कि नारद ने लक्ष्मी, पार्वती एवं ब्राह्मणी के सामने माता सती अनसूया की प्रशंसा की। इतने पर लक्ष्मी ने विष्णु, पार्वती ने शिव तथा ब्राह्मणी ने ब्रह्मा को माता अनसूया की परीक्षा लेने के लिए भेजा। तीनों साधु का रूप धारण कर माता अनुसूया के पास पहुंच गए और कहा कि हे माता! हमें भोजन करावों, हम कई दिनों से भूखे हैं इतना शब्द सुनते ही माता उन्हें घर ले आई और भोजन की व्यवस्था करने लगी। साधु बोले कि उन्हें भोजन करवाना है तो नग्न अवस्था में भोजन परोसना होगा। इतना कहने पर माता ने तीनों को 6 माह के बालक बनाकर पालने में डाल दिया और प्रत्येक को बारी-बारी से दूध पिलाने लगी। जब कई माह बीत गए तो माता लक्ष्मी, पार्वती और ब्राह्मणी अपने-अपने पतियों को लेने के लिए आई, तब सती अनुसूया ने उन्हें अपना अपना पति ले जाने की अनुमति दी लेकिन तीनों अपने-अपने पति को पहचानने में असमर्थ थी। पंडित शर्मा ने कहा किसी भी व्यक्ति को दूसरे के प्रसिद्धि सुनकर प्रसन्न होना चाहिए न की उन्हें दूविधा में डालना चाहिए। इससे परेशानियां सामने आ जाती है। इसलिए चाहे वह छोटा हो या बड़ा हमेशा सम्मान करना चाहिए। सम्मान करने से सम्मान मिलता है और अपमान करने से अपमान ही मिलेगा। कर्म का फल अवश्य मिलता है अच्छा करने पर अच्छा फल मिलेगा तथा बुरा करने पर वैसा ही भुगतना पड़ेगा। मनुष्य जीवन दुर्लभ है इसलिए अच्छा कर्म करें। उन्होंने आगे कहा कि सत्य बोलने से ईश्वर प्रसन्न होते हैं। झूठ की बुनियाद बहुत जल्द नष्ट हो जाते हैं। आजकल पेड़ों की संख्या कम होते जा रहे हैं जिससे पर्यावरण में जबरदस्त बदलाव देखने को मिला है। पेड़ पौधे के होने से पर्यावरण संतुलित रहते हैं। यदि हम अच्छे जीवन की सोच रखते हैं तो पेड़ों की संख्या बढ़ानी होगी। इसके लिए जन्म दिवस, विवाह संस्कार, मृत्यु संस्कार इत्यादि अवसरों पर पौधा लगाकर उनकी देखभाल करें। ताकि जीवन सुखमय हो जाए।

धर्म से अनुशासित होते हैं

पंडित शर्मा ने आगे कहा कि हमारे नई पीढ़ी को धर्म से जोड़ना बहुत जरूरी है जो धारण किया जाता है वही धर्म है शास्त्रों में कहा गया है कि धारयते इति धर्म:। प्रत्येक घरों में गीता रामायण का पाठ होना चाहिए इससे परिवार में सुख समृद्धि के साथ ही एक अच्छा माहौल क्रिएट होता है। धर्म से अनुशासन आती है। भागवत कथा मन को पवित्र कर देते हैं। गायक भूपेंद्र सोनकर ने एक से बढ़कर एक धार्मिक भजन सुना कर उपस्थित श्रोताओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे।

अल्पसंख्यक आयोग से मिलकर जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। जैन संत मंत्र महर्षि (डॉ.) क्षुल्लक श्री योग भूषण जी महाराज के मार्गदर्शन में जैन समाज के एक विशेष प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री इक़बाल सिंह लालपुरा जी से शिष्टाचार भेंट कर उनको अल्पसंख्यक जैन समाज की वर्तमान समस्याओं से अवगत करवाया। इस हेतु प्रतिनिधि मंडल ने निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पद विहार करते समय जैन संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की माँग? करते हुए कहा गया है कि जैन मुनियों को समाज में स्वतंत्र रूप से विचरण करने के लिए सुरक्षा की आवश्यकता है ताकि वे बिना किसी भय के अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन कर सकें। जैन समाज के प्राचीन तीर्थ स्थलों और मंदिरों के संरक्षण हेतु अनर्गल कब्ज़े और अतिक्रमण को हटाने की माँग की गई है। समाज का कहना है कि इन धार्मिक स्थलों का संरक्षण और सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

अति अल्पसंख्यक समुदाय को केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली विशेष सुविधाओं का लाभ जैन? समाज तक पहुँचाने की प्रक्रिया पर अमल किया जाए। समाज ने इस बात पर जोर दिया कि इन सुविधाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन हो ताकि जैन समाज को उनका पूरा लाभ मिल सके। अंत में जैन पर्सनल लॉ बोर्ड के गठन पर विचार करने की माँग की गई है। समाज का कहना है कि इससे जैन समाज की विशेष कानूनी आवश्यकताओं को संबोधित करने में सहायता मिलेगी।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री

इक़बाल सिंह लालपुरा जी ने प्रतिनिधि मंडल की माँगों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि इन सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग जैन समाज की समस्याओं को सुलझाने और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

क्षुल्लक श्री योग भूषण जी महाराज ने कहा कि यह बैठक जैन समाज की आवश्यकताओं और चिंताओं को सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैन? समाज की वर्तमान समस्याओं के निदान हेतु सरकार का इस ओर ध्यान आकृष्ट करना अत्यंत आवश्यक है। समाज ने उम्मीद जताई है कि उनकी माँगों पर जल्द ही सकारात्मक कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय एवं यूपीएससी परीक्षा के लिए किए गए कोचिंग व्यवस्था की राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने तारीफ किया। अहीर की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित नवीन विश्राम गृह में बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी शामिल हुए।

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में पिछड़े वर्गों के लिए संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी लिया तथा उनकी प्रशंसा की। पिछड़े वर्गों के लिए राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्रीय सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का समुचित पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि शासकीय संस्थाओं के साथ-साथ निजी संस्थाओं में भी पिछड़े वर्गों के लोगों को आरक्षण के तहत लाभ मिले। राज्य में गठित पिछड़ा वर्ग आयोग की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे संबंधित हितग्राहियों को आय के अन्य स्रोत की व्यवस्थित जानकारी मिल सकेगी। श्री अहीर ने छत्तीसगढ़ राज्य में सूचीबद्ध पिछड़ा वर्ग की संख्या की जानकारी लेते हुए कहा कि राज्य में सूचीबद्ध 95 पिछड़ी जाति में से 67 जातियां केंद्रीय सूची में शामिल है। राज्य की अन्य जातियों को भी केंद्रीय सूची में शामिल करने के लिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को प्रस्ताव भेजा जावे। समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव आशीष उपाध्याय, सलाहकार राजेश कुमार, अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव सामान्य प्रशासन अम्बलगन पी., सचिव कौशल विकास डॉ. एस. भारती दासन, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा जनक पाठक, संचालक अजा, अ जजा विभाग नरेन्द्र दुग्गा आदि उपस्थित थे।

समर कैंप में बच्चों ने सीखा साज-सज्जा सामग्री बनाना, पर्यावरण संरक्षण को बच्चों ने विद्यालय में लगाये पौधे

बच्चे बोले- वृक्ष लगाकर धरती को खुशहाल बनायें

ललितपुर (विश्व परिवार)। परिषदीय विद्यालयों में दो दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया।समर कैंप में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं संचारी रोकथाम पर चर्चा की गई।कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय डुलावन में पर्यावरण संरक्षण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित चित्रों को बनाकर पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने विद्यालय परिसर में पौधें लगाये और उनका संरक्षण करने का संकल्प लिया। समर कैंप में बच्चों ने कला अनुदेशक यशोदा के निर्देशन में अनुपयोगी वस्तुओं से साज-सज्जा का सामान बनाना सीखा। पक्षियों के संरक्षण के लिए गत्ते के गौरैया के घोंसले बनाये।जिनमें नन्हीं गौरैया का संरक्षण हो और उसकी चीं-चीं की आवाज सुनाई दे। इस दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए इंचार्ज प्रधानाध्यापक वीर सिंह ने कहा कि बदलते हुए पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण बहुत ही जरूरी है।जिससे पर्यावरण सुरक्षित रहे।जन्मदिन के अवसर पर एक पौधा जरूर लगाये जिससे पर्यावरण सुरक्षित रहे। सहायक अध्यापक संतोष नरवरिया ने कहा कि शुद्ध आक्सीजन प्राप्त करने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाये। सहायक अध्यापक पुष्पेंद्र जैन ने कहा कि पर्यावरण को खुशहाल बनाने के लिए पेड लगाना बहुत आवश्यक है।पेड हमें शुद्ध प्राणवायु देते हैं जिससे वातावरण स्वच्छ रहता है।देवीशंकर कुशवाहा ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण करने लिए वृक्ष बहुत आवश्यक है।वर्तमान समय में प्रकृति के बदलते हुए स्वरूप को देखा है।यह प्रकृति के बदलते हुए संतुलन का ही कारण है। अल्पेश समाधिया ने कहा कि वर्तमान समय में भीषण गर्मी का होना पर्यावरण संतुलन का विगडना है। जब तक हम वृक्ष नहीं लगायेंगे तो हमारा पर्यावरण प्रतिदिन प्रदूषित ही होता चला जायेगा।हमें संकल्प लेना होगा कि अपने जन्मदिन पर एक वृक्ष अवश्य लगायें।इस दौरान विद्यालय स्टाफ, सोईया, बच्चे मौजूद रहे।

-पुष्पेंद्र जैन

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सेहत

रायपुर रविवार 30 जून 2024

ज्यादा देर सोने से घेर सकती हैं मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगे। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी स्टडी की मानें तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्टडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

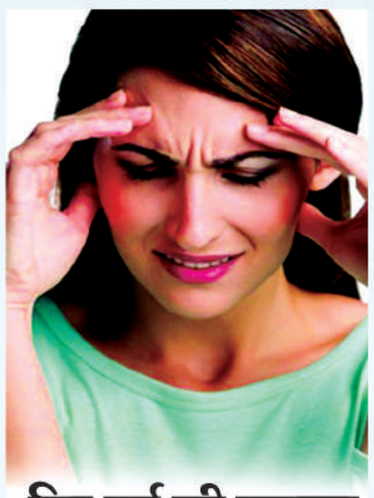

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है।
नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

किस तरह के बर्तन में भोजन करते हैं आप, सेहतमंद रहने के लिए जानना बेहद जरूरी

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि तांबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनो के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

- वजन घटाने में
- बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में
- हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- हृदय रोग से बचाने में
- ब्लड प्रेशर को संतुलित करें
- स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
- जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं, अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

- चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है।
- अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं।
- चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

याददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं पौधों पर आधारित आहार

पौधों पर आधारित आहार स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इनमें पशु कल्याण शामिल है। जो लोग इस आहार का पालन करते हैं, वे अक्सर पर्याप्त प्रोटीन प्राप्त करने की चिंता करते हैं, खासकर क्योंकि कई प्रकार के मांस और डेयरी उत्पाद हैं जो प्रोटीन में उच्च होते हैं। दाल, बादाम, और बाजरा सभी पौधों के प्रोटीन में उच्च होते हैं और स्वस्थ, संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से खाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बादाम न केवल पोषण में उच्च होते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में एक अनूठी बनावट भी जोड़ते हैं, चाहे वह मीठा हो या नमकीन। वे पौधे आधारित प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं और बादाम दूध, बादाम का आटा, कच्चा, भुना हुआ, हल्का नमकीन, आदि सहित विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है।

यह एक मिथक है कि पौधे आधारित आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। और विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 से अधिक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। मैं लंबे समय में विश्वास करता हूं, संतुलित आहार खाना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और मैं हमेशा स्वस्थ पौधे-आधारित प्रोटीन शामिल करता हूं जैसे कि बादाम, छोले और टोफू को अपने भोजन में अधिक पौष्टिक और स्वस्थ बनाने के लिए।
न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णा ने कहा, प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन और एंजाइम के निर्माण के लिए और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक है। एक बार पौधे आधारित आहार का पालन करने का निर्णय लेने के बाद अपने आहार की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वपूर्ण है। फिटनेस एक्सपर्ट और सेलिब्रिटी मास्टर इंस्ट्रक्टर, यास्मीन ने खाने के पैटर्न और पौधों पर आधारित जीवन शैली में बदलाव पर जोर देते हुए कहा, एक फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में, मेरे पास लोग लगातार मुझसे एक आहार या किसी अन्य पर पूछताछ कर रहे हैं। रुझान आते हैं और जाते हैं, कुंजी संतुलित भोजन खाने और नियमित कसरत दिनचर्या का पालन करने के लिए है।

जानिए हरे धनिये के फायदे

हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत अनुवांशिक कारको के वजह से भी हो सकती है। लेकिन यह अक्सर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का परिणाम होता है। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। दवाईंयों बजाय आप इसे कुछ प्राकृतिक चीजों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ है। स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण के लिए आपके शरीर को कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

कैसे पता करें बढ़ रहा है कोलेस्ट्रॉल

रक्त में कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन यह उन स्थितियों के लिए आपके जोखिम को बढ़ा सकता है जिनमें लक्षण होते हैं, जैसे- एनजाइना (हृदय रोग के कारण सीने में दर्द), उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि।

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

एक स्टडी के अनुसार, कुछ जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम कर सकता है, जैसे उच्च रक्तचाप और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर। एक्सपर्ट बताते हैं कि अन्य मसालों के साथ बड़ी मात्रा में धनिया का सेवन करने वाली आबादी में हृदय रोग की दर कम होती है।

हरे धनिया के औषधीय गुण

इसमें एंटी-माइक्रोबियल व एंटीऑक्सीडेंट समेत एंटी इंफलेमेटरी (सूजन कम करने वाला), एंटी-डिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला), न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) और मूत्रवर्धक जैसे गुण होते हैं। साथ ही, यह मधुमेह, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों की सफाई करने का काम भी करते हैं।

कैसे करें धनिया का सेवन

एक अध्ययन के दौरान चूहों को धनिये के बीज दिए गए जिसे खाने के बाद। खून में जमा एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में कमी और एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई को देखा गया। ऐसे में कहा जा सकता है कि धनिया को अपने खाने में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोग अक्सर धनिया के पत्तों का सेवन शरबत, चटनी, सलाद के रूप में करते हैं। वहीं, इसके बीजों को भी आप पानी में फूलाकर और छानकर पी सकते हैं।

धनिया का सेवन करते समय रखें इस बात का ध्यान

धनिया को नियमित पर थोड़े मात्रा में खाएं। एक स्टडी के अनुसार ज्यादा धनिया खाने से स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यह लीवर, एलर्जी, दाने, खुजली से लेकर त्वचा कैंसर तक का खतरा बढ़ा सकती है। इसेक अलावा धनिया ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करती है जिससे निम्न ब्लड प्रेशर को लोगों को परेशानी हो सकती है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

धर्म-कर्म

रायपुर रविवार 30 जून 2024

रोगमुक्त करती हैं मां शीतला

वर्ष 2024 में शीतला अष्टमी का पर्व 29 जून, शनिवार को मनाया जा रहा है। आपाढ़ कृष्ण अष्टमी के दिन मनाया जाने वाला यह पर्व माता शीतला को समर्पित है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार चैत्र, वैशाख, जेष्ठ और आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को शीतला अष्टमी पूजन करने का प्रावधान है। इन चारों महीने के चार दिन का व्रत करने से शीतला जनित बीमारियों से छुटकारा मिलता है। इस पूजन में शीतल जल और बासी भोजन का भोग लगाने का विधान है। शीतला अष्टमी के दिन श्रद्धालु व्रत रखकर माता की भक्ति करके अपने परिवार की रक्षा करने के लिए माता से प्रार्थना करते हैं।

पूजा विधि

- शीतला अष्टमी के दिन अलसुबह जल्दी उठकर माता शीतला का ध्यान करें।
- इस दिन व्रती को प्रातः कर्मों से निवृत्त होकर स्वच्छ व शीतल जल से स्नान करना चाहिए।
- स्नान के पश्चात निम्न मंत्र से संकल्प लेना चाहिए–
  मम गेहे शीतलारोगजनितोपद्रव प्रशमन पूर्वकायुरारोग्यैश्वर्याभिवृद्धिये शीतलाष्टमी व्रतं करिष्ये
- संकल्प के पश्चात विधि–विधान तथा सुगंधयुक्त गंध व पुष्प आदि से माता शीतला का पूजन करें।
- इस दिन महिलाएं मीठे चावल, हल्दी, चने की दाल और लोटे में पानी लेकर पूजा करती हैं।
- पूजन का मंत्र– ह्रं श्रीं शीतलायै नमः का निरंतर उच्चारण करें।
- माता शीतला को जल अर्पित करें और उसकी कुछ बूंदे अपने ऊपर भी डालें।
- इसके पश्चात ठंडे भोजन का भोग मां शीतला को अर्पित करें।
- तत्पश्चात शीतला स्तोत्र का पाठ करें और कथा सुनें।
- रोगों को दूर करने वाली मां शीतला का वास वट वृक्ष में माना जाता है, अतः इस दिन वट पूजन भी भी करना चाहिए।
- शीतला माता की कथा पढ़ें तथा मंत्र– ऊँ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः का जाप करें।
- जो जल चढ़ाएं और चढ़ाने के बाद जो जल बहता है, उसमें से थोड़ा जल लोटे में डाल लें। यह जल पवित्र होता है। इसे घर के सभी सदस्य आंखों पर लगाएं।
- पूजन के पश्चात थोड़ा जल घर लाकर हर हिस्से में छिड़कने से घर की शुद्धि होती है।
- शीतला सप्तमी या अष्टमी व्रत का पालन जिस घर में किया जाता है, वहां सुख, शांति हमेशा बनी रहती है तथा रोगों से निजात भी मिलती है।

क्यों रखा जाता है योगिनी एकादशी का व्रत

योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है।

पूरे साल में 24 एकादशी और अधिकमास होने पर 26 एकादशी व्रत रखे जाते हैं। एकादशी व्रत और आषाढ़ का महीना दोनों भगवान विष्णु को अतिप्रिय है। इसीलिए आषाढ़ माह की एकादशी का विशेष महत्व हो जाता है। योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है। तो आइए जानते हैं कि इस साल योगिनी एकादशी का व्रत किस दिन रखा जाएगा और पूजा और पारण का शुभ समय कब होगा।

व्रत तिथि, शुभ समय और पारण समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 1 जुलाई को प्रातः 10.26 बजे से आरंभ हो रही है और एकादशी तिथि 2 जुलाई को सुबह 8 बजकर 34 मिनट पर समाप्त हो रही है। उदयातिथि के अनुसार योगिनी एकादशी व्रत 2 जुलाई 2024 को रखा जाएगा। वहीं, योगिनी एकादशी व्रत का पारण 3 जुलाई को सुबह 5.28 बजे से सुबह 7.10 बजे तक किया जाएगा। द्वादशी तिथि 3 जुलाई को सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर समाप्त होगी।

2 शुभ योग में रखा जाएगा योगिनी एकादशी व्रत

योगिनी एकादशी का व्रत 2 शुभ योग में पड़ रहा है। योगिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग 2 जुलाई को प्रातः 5.27 बजे से अगले दिन 3 जुलाई को सुबह 4.40 बजे तक रहेगा। वहीं त्रिपुष्कर योग 2 जुलाई को सुबह 8.42 से 3 जुलाई को 4.40 तक मान्य है।
ज्योतिष मान्यता के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया कोई भी कार्य सफल होता है। इसके साथ ही त्रिपुष्कर योग में पूजा–पाठ, दान, यज्ञ या कोई और शुभ कार्य करने से उसका तीन गुना फल मिलता है। त्रिपुष्कर योग में योगिनी एकादशी व्रत की पूजा करना बेहद फलदायी रहेगा।

योगिनी एकादशी की पूजा विधि

- योगिनी एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान पश्चात स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- श्री हरि विष्णु को पीला रंग प्रिय होता है, इसीलिए इस दिन पीला रंग धारण करें।
- भगवान विष्णु की पूजा करने के लिए चौकी सजाएं और विष्णु भगवान की प्रतिमा रखें।
- इसके अतिरिक्त, भगवान विष्णु पर पीले फूलों की माला अर्पित की जाती है।
- भगवान विष्णु को तिलक लगाएं।
- पूजा सामग्री में तुलसी दल, फल, मिठाइयां और फूल आदि सम्मिलित किए जाते हैं।
- इस दिन योगिनी एकादशी की कथा सुनें और अगले दिन व्रत का पारण करें।

आषाढ़ माह में इन वस्तुओं का करना चाहिए दान, प्राप्त होगी भगवान विष्णु की कृपा

आषाढ़ माह भगवान विष्णु को समर्पित है। यही वह माह है, जब भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान कोई मांगलिक कार्य नहीं होते, लेकिन दान-पुण्य करना शुभ माना गया है।

हिंदू धर्म में प्रत्येक माह का विशेष महत्व है। इसी कड़ी में आषाढ़ माह भी धार्मिक दृष्टिकोण से शुभ फलदायी माना गया है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि आषाढ़ माह में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, साथ ही आर्थिक समस्याओं से छुटकारा भी मिलता है। इसके साथ ही इस माह में दान का भी विशेष महत्व है, जिससे परिवार में सुख–समृद्धि आती है। आपको यहां बताते हैं, आषाढ़ माह में किन वस्तुओं का दान करना चाहिए।
आषाढ़ माह में वस्त्र का दान करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि वस्त्रों के दान से पुण्य फल में वृद्धि होती है और दरिद्रता का नाश होता है। हालांकि वस्त्र दान करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि ये कहीं से कटे–फटे न हों। आषाढ़ मास में अन्न का दान करने से यश की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अन्न दान से व्यक्ति के घर में अन्न का भंडार भरा रहता है और पैसों की भी कमी नहीं होती। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद भी मिलता है।

काले तिल

आषाढ़ माह में काले तिल के दान से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सभी मनोकामना भी पूर्ण होती है।

समस्त पापों का नाश करती है योगिनी एकादशी

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा–आराधना की जाती है. माना जाता है कि इस एकादशी का व्रत करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं. इस बार योगिनी एकादशी का व्रत 2 जुलाई, मंगलवार के दिन रखा जाएगा. इस व्रत को करने से किसी के दिये हुए श्राप का निवारण भी हो जाता है. योगिनी एकादशी का व्रत करने से सुंदर रुप, गुण और यश का वरदान मिलता है. जानते हैं कि यह एकादशी क्यों मनाई जाती है.

योगिनी एकादशी का पौराणिक महत्व

योगिनी एकादशी का व्रत तीनों लोकों में प्रसिद्ध है. माना जाता है कि इस व्रत को करने से जीवन में समृद्धि और आनन्द की प्राप्ति होती है. इस एकादशी का व्रत करने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य मिलता है. इस एकादशी का व्रत करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है. योगिनी एकादशी को सभी एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण एकादशियों में से एक माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस व्रत को रखने से पापों का नाश होता है और ग्रहों के दोष दूर होते हैं. इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन में सुख–समृद्धि आती है और संतान प्राप्ति के योग बनते हैं.
योगिनी एकादशी के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए. इसके बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें. घर में भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें और पूरे विधि–विधानपूर्वक से उनकी पूजा करें. भगवान विष्णु को फूल,फल और मीठा भोग अर्पित करें. इस दिन निर्जला व्रत रखकर भगवान विष्णु का ध्यान करना चाहिए. दूसरे दिन सुबह ब्राह्मणों को भोजन करवाकर और दक्षिणा देकर व्रत तोड़ना चाहिए.

....तो शनि कभी नहीं करेंगे आपको परेशान

शनिदेव न्याय के देवता हैं। अगर आपमें यह आदतें हैं तो मान कर चलिए कि शनिदेव आपको कभी परेशान नहीं करेंगे उल्टे आप पर उनकी कृपा दृष्टि सदैव रहने वाली है। हर संकट में वे आपके साथी बनकर राह दिखाएंगे।

नाखून काटते रहें

जो लोग रोज अपने नाखून काटते हैं और उन्हें साफ भी रखते हैं, शनि ऐसा करने वालों का हमेशा खयाल रखते हैं। इसलिए अचानक अगर आप अपने नाखून काटने में आलस करने लगें या आपके नाखून गंदे रहने लगे तो समझें कि आपको शनि दशा सुधारने के लिए उपाय करने चाहिए। नाखून काटने की आदत को कभी ना बदलें।

दान करते रहें

अगर आपका दिल गरीबों, जरूरतमंदों को देखकर पसीज जाता है और हर तीज–त्योहार पर गरीब जरूरतमंद की आप मदद करते हैं तो समझें शनिदेव की आप पर विशेष कृपा है। अगर आप गरीबों को काले चने, काले तिल, उड़द दाल और कपड़े सच्चे मन से दान करते हैं, तो आश्वस्त रहिए कि शनिदेव आपका हमेशा कल्याण ही करेंगे।

छाते की भेंट देगी शनिदेव की छत्र–छाया

धूप व बारिश से बचने के लिए छाते दान करने वालों पर शनिदेव की छत्र–छाया हमेशा बनी रहती है। अगर अब तक यह आदत नहीं थी तो इसे तुरंत अपनी अच्छी आदतों में शामिल कर लीजिए। आखिर शनिदेव की छत्र–छाया किसे नहीं चाहिए?

कुत्तों की सेवा

कुत्तों की सेवा करने वालों से भगवान शनि हमेशा प्रसन्न होते हैं। कुत्तों को खाना देने वालों और उनको कभी ना सताने वालों के शनिदेव सभी कष्ट दूर करते हैं। इसलिए अगर आप भी कुत्तों को प्यार करते हैं तो जीवन में शनि कोप से सदा बचे रहेंगे।

नेत्रहीन को राह दिखाएं

किसी भी नेत्रहीन व्यक्ति को राह दिखाना, उनकी मदद करना शनि को खुश करने में सहायक सिद्ध होता है। जो लोग भी नेत्रहीन लोगों की अनदेखी नहीं करते, उनकी निःस्वार्थ मदद करते हैं, शनिदेव उनसे हमेशा प्रसन्न रहते हैं और उनकी सफलता–उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

शनिवार का उपवास

शनिवार का उपवास रखकर अपने हिस्से का भोजन गरीबों को देने की आदत है तो समझें शनि की कृपा से अन्न के भंडार आपके लिए हमेशा खुले रहेंगे। ऐसे व्यक्ति अगर जीवन भर इस नियम का पालन करते हैं तो उन्हें कभी धन–संपदा की कमी नहीं होती।

मछलियों को आहार

जो मछली खाते नहीं है बल्कि मछलियों को खाना खिलाते हैं उनसे शनि हमेशा प्रसन्न रहते हैं। इसलिए अगर आपको भी मछलियों को दाना खिलाने की आदत है तो खुशकिस्मत हैं आप, अपनी इस आदत को छूटने ना दें।

हर दिन स्नान, साफ स्वच्छ रहने की आदत

प्रतिदिन स्नान कर खुद को साफ रखने वालों पर शनि की कृपा होती है। पवित्र रहने वालों की शनि हमेशा मदद करते हैं।

सफाई–कर्मियों की मदद

जो सफाई–कर्मियों का सम्मान करते हैं और उनकी आर्थिक मदद भी करते हैं, शनिदेव उनका साथ कभी नहीं छोड़ते। यह आदत कभी न बदलें, भाग्यशाली बनने की राह यही आदत खोलेगी। शनिदेव इस आदत से अत्यंत प्रसन्न रहते हैं।

साथी हाथ बढ़ाना

जो लोग जरूरतमंद, परेशान और मेहनतकश लोगों की यथासंभव मदद करते हैं, वे शनिदेव को बेहद पसंद होते हैं। शविदेव उनके सारे कष्ट हर लेते हैं। इसलिए मदद करने की अपनी आदत को सदा बने रहने दें।

पौधारोपण और पीपल बरगद का पूजन

पौधारोपण व पेड़ों का पूजन शनि भगवान को खुश करने के लिए बहुत जरूरी है। जो लोग पीपल और बरगद की पूजा करते हैं उनपर शनि अपनी कृपा अक्षुण्ण बनाए रखते हैं।

ईमानदारी से आजीविका

ऐसे लोग जो बिना किसी को नुकसान पहुंचाए, सही और धर्म की राह पर चलकर धन अर्जित करते हैं उन्हें शनि अपार लक्ष्मी का वर देते हैं। जो लोग ब्याजखोरी करते हैं, उनसे शनि रुष्ट हो जाते हैं। ब्याजखोरी से बचने वालों की शनि हमेशा सहायता करते हैं।

सम्मान करने की आदत

वृद्ध माता–पिता तथा स्त्रियों को मां समान मानकर उनका सम्मान करने वालों की शनिदेव हमेशा सहायता करते हैं।

दिव्यांगों की मदद

दिव्यांगों की सहायता करना शनिदेव को प्रसन्न करता है। ऐसे लोगों का शनि सदैव कल्याण करते हैं। शनि स्वयं एक पैर से शनैः शनैः चलते हैं अतः यथासंभव दिव्यांगों की मदद की आदत डालें।

शराब से दूरी

शराब का सेवन शनिदेव को नाराज करता है। जो लोग मदिरापान से दूर रहते हैं शनिदेव की कृपा उनपर बनी रहती है।

शाकाहार की आदत

जो लोग शाकाहार का सेवन करते हैं और मांस, मछली, मीट से दूर रहते हैं उनसे शनिदेव प्रसन्न होकर उनके परिवार समेत उनका भला करते हैं।

कुष्ठ रोगियों की मदद

कुष्ठ रोगियों की सेवा करना पुण्य का काम माना गया है। शनि भी ऐसे लोगों से प्रसन्न होते हैं जो कुष्ठ रोगियों की सेवा करते हैं। ऐसे लोगों को सारे कष्टों, परेशानियों से शनिदेव बचाते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, रविवार 30 जून 2024

मुख्य सचिव अमिताभ जैन को राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ उपाध्यक्ष, राज्य नीति आयोग, छत्तीसगढ़ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस आशय का आदेश छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर से जारी कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ड्राइविंग लाइसेंस गलत पते के कारण वापस लौटने पर परिवहन कार्यालयों के माध्यम से मिलेंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर आम नागरिकों को एक और नई सुविधा परिवहन विभाग के माध्यम से मिलने जा रही है। ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र आवेदक द्वारा दिए गए पते पर नहीं पहुंचने पर आवेदकों को उनके जिले के क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय और जिला परिवहन कार्यालयों के माध्यम से वितरित किए जाएंगे। परिवहन विभाग द्वारा यह सुविधा एक जुलाई से लागू की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष यह बात सामने आई कि परिवहन विभाग द्वारा डाक के माध्यम से भेजे गए कई ड्राइविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र पता सही नहीं होने के कारण नया रायपुर स्थित परिवहन विभाग के मुख्यालय इन्द्रावती भवन में वापस लौट आते थे। ऐसे आवेदकों को अपने ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए नवा रायपुर आना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने आवेदकों की दिक्कतों को महसूस करते हुए परिवहन विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए कि किसी वजह से अप्राप्त रहे ड्राइविंग लाईसेंस तथा पंजीयन प्रमाण पत्र संबंधित जिले के क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय, जिला परिवहन कार्यालय के माध्यम से वितरित किए जाए। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अस्पष्ट अथवा अपूर्ण पते के कारण नवा रायपुर स्थित परिवहन मुख्यालय लौटने वाले ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र लेने के लिए नवा रायपुर आने की जरूरत नहीं होगी। आवेदक संबंधित कार्यालय से वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने चालक लाईसेंस अथवा पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगें। इस संबंध में परिवहन विभाग द्वारा सभी अधीनस्थ कार्यालयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

राजस्व मंत्री ने तहसीलदार और छत्तीसगढ़ राजस्व पुस्तक परिपत्र पुस्तकों का किया विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजस्व एवं खेल मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज अपने निवास कार्यालय में 'तहसीलदार' और 'राजस्व पुस्तक परिपत्र (आर. बी. सी.)' पुस्तकों का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत रायपुर और अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक बजाज उपस्थित थे। इस अवसर पर पुस्तकों के लेखक श्री के.के. बाजपेयी, पूर्व संयुक्त सचिव एवं श्री उमेश कुमार पटेल, संयुक्त कलेक्टर, रा.प्र.से.-2015 तथा पुस्तकों के प्रकाशक राज लॉ पब्लिकेशन के प्रोपराईटर श्री चंद्र कुमार ठाकुर एवं श्री अविनाश अग्रवाल उपस्थित थे। सामान्य प्राशासन विभाग के पूर्व संयुक्त सचिव श्री के.के. बाजपेयी द्वारा लिखित पुस्तक 'तहसीलदार' हमारे राज्य के तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को अलग-अलग कानून में प्रदान किए गए शक्तियों एवं अधिरोपित किए गए कर्तव्यों पर प्रकाश डालती है। पुस्तक में कार्यालय में तैयार किए जाने वाले कई दस्तावेजों के स्पष्ट उदाहरण भी शामिल हैं। इससे हमारे राज्य के तहसीलों की कार्यशैली को बेहतर करने में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक सहयोग प्राप्त हो सकेगा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अवर सचिव श्री उमेश कुमार पटेल की पुस्तक राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) के द्वितीय संस्करण में अद्यतन विभागीय परिपत्र, संबंधित अधिनियमों, नियमों, अधिसूचनाओं के साथ-साथ विभागीय आदेशों के उदाहरण एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी का भी समावेश किया गया है।

पत्रकारिता समस्या मूलक नहीं समाधान आधारित होना चाहिए : के.जी. सुरेश

शोध की सामाजिक प्रासंगिकता होना आवश्यक, पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मीडिया पाठ्यक्रम पर वार्ता का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। पत्रकारिता को समस्या नहीं, समाधान आधारित होना चाहिए. टेलीविजन पत्रकारिता द्वारा लाई गई भाषा में आक्रामकता अब प्रिंट मीडिया में भी आ गई है. ये बातें प्रो. (डॉ.) के. जी. सुरेश ने पत्रकारिता विश्वविद्यालय में आयोजित वार्ता कार्यक्रम में कही.

शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मीडिया पाठ्यक्रम विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. जी. सुरेश ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा पर बल दिया गया है. मीडिया की भाषा सैयम की भाषा होना चाहिए. टेलीविजन पत्रकारिता द्वारा लाई गई भाषा में आक्रामकता अब प्रिंट मीडिया में भी आ गई है. पत्रकरिता का भविष्य भाषा में है. इसलिए भारतीय भाषाओं में पत्रकारिता प्रशिक्षण को प्रसारित किया जाना चाहिए. आज के विद्यार्थी में साहित्य से दूरी होने के कारण वर्तनी की अशुद्धियाँ अधिक हैं.

उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख पत्रकारिता संस्थान जिनमें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर, भारतीय जनसंचार संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) एवं हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय जयपुर सहित सभी महत्वपूर्ण संस्थानों को एक साथ सामंजस्य बना कर पत्रकारिता प्रशिक्षण पर बल देना होगा. इसके लिए जल्द ही भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्विद्यालय में बैठक रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि संचारसूत्र हमारी सभी ज्ञान परम्पराओं में स्थापित है। इसलिए उनका प्रभावी विश्लेषण होना चाहिए. ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों को शोध केन्द्रित होने की आवश्यकता है. सामुदायिक रेडियो पर बोलते हुए कहा कि सामुदायिक रेडियो आज प्रत्येक समुदाय के अभिव्यक्ति की जरुरत है.

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनिल द्विवेदी ने कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान रखते हुए शोध को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है. पत्रकारिता में विश्वसनीयता के लिए प्रमाणित मीडिया चैनलों से ख़बरों को प्राप्त करना चाहिए.

इस अवसर पर प्रभारी कुलसचिव डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार मीडिया पाठ्यक्रमों को संचालित किये जाने की योजना तैयार की गई है. इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विभाग्याध्यक्ष, प्राध्यापक, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे.

एएम/एनएस इंडिया ने मिश्रा कैंप- किरंदुल को रसोई के बर्तन और टेंट सामग्री प्रदान किया

एएम/एनएस इंडिया द्वारा सामुदायिक विकास के लिए एक अहम पहल

रायपुर (विश्व परिवार)। एएम/एनएस इंडिया के द्वारा अपने सीएसआर पहल के तहत मिश्रा कैंप-किरंदुल में सामुदायिक रसोई के लिए बर्तन और टेंट सामग्री का वितरण किया गया। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा यह क़दम स्थानीय लोगों को सामुदायिक कार्यक्रमों, बैठकों और वैवाहिक कार्यक्रमों में आने वाली दिक्कतों को दूर करने के उद्देश्य से उठाया गया। मां बम्लेश्वरी महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), मिश्रा कैंप किरंदुल के सदस्यों ने नवनिर्मित सामुदायिक भवन में विभिन्न सामुदायिक समारोह के दौरान उपयोग के लिए टेंट सामग्री, सामुदायिक रसोई के लिए बर्तन, और टेबल आदि की आवश्यकता को महसूस करते हुए इनकी उपलब्धता का अनुरोध किया। गांव वालों के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए एएम/एनएस इंडिया द्वारा सामुदायिक भवन को रसोई के बर्तन और टेंट सामग्री प्रदान की गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मृणाल रॉय(अध्यक्ष, नगर परिषद किरंदुल), राजू कुंजाम(प्रतिनिधि, वार्ड 18), एएम/एनएस इंडिया किरंदुल से रामचंद्र (वरिष्ठ प्रबंधन), श्रीनिवास और डॉ.तेज प्रकाश (सीएसआर) सहित सभी एसएचजी सदस्य उपस्थित रहे। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी की यह पहल सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने और लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी निरन्तर अपने प्रयासों के माध्यम से सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रकार की पहलों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास लगातार करती आ रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक नीति 2024-29 के निर्माण के लिए विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के साथ हुई परिचर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य की आगामी औद्योगिक नीति 2024-29 के निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा सुझाव आमंत्रित किये गए हैं इस संदर्भ में ही दिनांक 28 जून 2024 को उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा होटल कोर्टयार्ड मैरिएट रायपुर में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उरला इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्यों के साथ राज्य के प्रमुख औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहें। आगामी औद्योगिक नीति हेतु उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा अन्य राज्यों जैसे उड़ीसा तेलंगाना महाराष्ट्र मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीति के महत्वपूर्ण सुझावों को सम्मिलित करते हुए बनाए गए सुझाव पत्र बैठक में उपस्थित सभी उपस्थित गणमान्य सदस्यों के समक्ष रखा जिस पर सर्वसम्मति प्राप्त हुई एवं बैठक में उपस्थित अन्य संगठनों द्वारा भी अपने सुझाव रखे गए।

सफलता पूर्वक सम्पन्न हुए बैठक के लिए हम उरला इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन की ओर से सभी कार्यकारिणी सदस्यों और प्रमुख औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया। उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन गर्ग ने बताया कि सभी संगठनों के सुझावों को सम्मिलित करते हुए नई औद्योगिक पॉलिसी हेतु सुझाव पत्र राज्य शासन के समक्ष जल्द ही रखा जाएगा. हम चाहते है कि राज्य की औद्योगिक नीति ऐसी बने कि प्रदेश के सभी जिलों के साथ-साथ तहसील स्तर में भी स्वस्थ उद्योग स्थापित हो सके. अध्यक्ष ने कहा कि हमारा प्रदेश कृषि एवं वन संपदा बहुल्य है, अत: कृषि आधारित उद्योग गांव-गांव में स्थापित हो, जिससे प्रदेश सुदृढ औद्योगिक विकास हो, साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार मिले और शासन के राजस्व में भी वृद्धि हो. हमें पूर्ण विश्वास है कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक पॉलिसी ऐसी होगी, जिससे अन्य राज्यों के भी उद्योगपति यहां निवेश के प्रति आकर्षित होंगे।

पीपल फार द पीपल अभियान का हिस्सा बने महाराष्ट्र मंडल : ओ.पी. चौधरी

महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने वित्त मंत्री से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधियों से अनौपचारिक चर्चा के दौरान वित्त, वाणिज्य कर, आवास और पर्यावरण, योजना व आर्थिक व सांख्यिकी मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि इस मानसून में वे समूचे प्रदेश में पीपल फार द %पीपल' अभियान शुरू करने जा रहे हैं। 350 साल से अधिक आयु वाले पीपल से सर्वाधिक ऑक्सीजन मिलता है, और प्रदूषण घटता है। यही कारण है कि वे नया रायपुर में बड़े पैमाने पर पीपल पौधों का रोपण करवाने जा रहे हैं। वह चाहते हैं कि नया रायपुर में लोग जिधर भी नजर डाले, उन्हें कम से कम पीपल के वृक्ष दिखने ही चाहिए।

चौधरी ने कहा कि जब भी पौधारोपण के लिए महाराष्ट्र मंडल को पौधों की जरूरत होगी, खासकर पीपल की, तो वे समूची व्यवस्था तत्काल और नि:शुल्क करेंगे। महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने कहा कि हमारी पर्यावरण समिति प्रतिवर्ष शहर के विभिन्न हिस्सों में पौधारोपण तो करती ही है, साथ ही उनके संरक्षण एवं पौधों से वृक्ष बनने की प्रक्रिया में सतत नजर भी रखती है। काले ने आश्वस्त किया कि पीपल फार द पीपल अभियान में महाराष्ट्र मंडल भी अहम भूमिका निभाएगा और इस बार बड़े पैमाने पर पीपल के पौधों का रोपण करेगा।

चौधरी ने कहा कि महाराष्ट्र मंडल की गतिविधियों के बारे में वे लगातार समाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं और सुनते हैं। अजय काले से भी उन्हें संस्था की गतिविधियों की अपडेटेड जानकारी मिलती रहती है। वे जल्द ही महाराष्ट्र मंडल के नवनिर्मित भवन का विजिट करेंगे और पदाधिकारियों और सभासदों से मुलाकात करेंगे। इस मौके पर महाराष्ट्र नाट्य मंडल के निर्देशक प्रा. अनिल श्रीराम कालेले, उपाध्यक्ष गीता दलाल, मुख्य समन्वयक श्याम सुंदर खंगन और सह सचिव सुकृत गनौदवाले ने सूत माला और शाल-श्रीफल से ओपी चौधरी का अभिनंदन किया।

चौधरी से मुलाकात के दौरान दिव्यांग बालिका विकास गृह के प्रभारी प्रसन्न निमोणकर, संत ज्ञानेश्वर स्कूल के प्रभारी परितोष डोनगांवकर, शंकर नगर बाल वाचनालय प्रभारी रेणुका पुराणिक, वरिष्ठजन सेवा समिति प्रभारी दीपक पात्रीकर, संपर्क समिति प्रभारी प्रशांत देशपांडे, मराठी साहित्य समिति के सह प्रभारी रवि दानसिंह गहलोत, शुभम् पुराणिक, तनिष्क डोनगांवकर सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

डॉक्टर हमारे समाज की बहुमूल्य सम्पत्ति: टीपी शर्मा

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति टी .पी .शर्मा ने कहा कि डॉक्टर हमारे समाज की बहुमूल्य सम्पत्ति हैं। एक स्वस्थ समाज के निर्माण में डॉक्टरों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। सामाजिक स्वास्थ्य के लिए समर्पित डाक्टरों के द्वारा अपनी सुविधाओं को तिलांजलि देकर सेवा भावना से मरीजों का इलाज किया जाता है। न्यायमूर्ति टी.पी. शर्मा आज राजधानी रायपुर में चिकित्सक दिवस के अवसर पर आयोजित डॉक्टरों के सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान मरीजों के साथ उनका व्यवहार भी इलाज में बहुत कारगर होता है. कठिन परिस्थितियों में भी मानव जीवन की गरिमा को बनाए रखने का कार्य चिकित्सक का होता है। समारोह का आयोजन समाजसेवी संस्था डॉक्टर्स ऑन स्ट्रीट (दोस्त) द्वारा एक निजी अस्पताल के सेमिनार हॉल में किया गया।

कैट के प्रदेश कार्यालय में दानवीर श्री भामाशाह की जयंती को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप हर्षोल्लास से मनाया गया

देश में संकट के समय व्यापारी ही सहयोग करता है, हर व्यापारी श्री भामाशाह से कम नहीं है : पुरेन्द्र मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि 28 जून को दानवीर श्री भामाशाह जी की जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में हर्षोल्लास मनाया जाता है। इसी कड़ी में कैट 28 जून को कैट के प्रदेश कार्यालय में शाम 4:00 बजे दानवीर श्री भामाशाह जी की जंयती पर राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पुरेन्द्र मिश्रा जी, विधायक रायपुर उत्तर विधानसभा एवं विशिष्ठ अथिति कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी सहित व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि 28 जून को दानवीर श्री भामाशाह जी की जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कड़ी में कैट सी.जी. चैप्टर ने इस दिन को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में मनाया गया।

सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पुरेन्द्र मिश्रा जी, विधायक रायपुर उत्तर विधानसभा एवं विशिष्ठ अथिति कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी ने दानवीर श्री भामाशाह जी तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् कार्यक्रम के संचालन कैट के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री परमानन्द जैन ने उपस्थित व्यापारिक संगठनों, कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनदंन किया।

श्री अमर पारवानी एवं श्री जितेन्द्र दोशी ने कहा कि आज हम सभी व्यापारी इस मंच पर दानवीर श्री भामाशाह की जयंती मना रहे है। उन्होनें आगे बताया कि भामाशाह (1547-1600) बाल्यकाल से मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप के मित्र, सहयोगी और विश्वासपात्र सलाहकार थे। जब एक समय में महाराणा प्रताप अपना किला हार गए थे। इस समय महाराणा प्रताप अपने परिवार के साथ पहाड़ियो में घूम रहे थे। तब भामाशाह ने अपनी मातृभूमि की रक्षा करने के लिए भामाशाह ने अपनी धन दौलत सारी महाराणा प्रताप को दे दी थी। इसके बाद महाराणा प्रताप ने एक नया सैन्य सगठित किया। सैन्य पूरी तरह तैयार होने के बाद महाराणा प्रताप ने फिर से अपना गवाया हुवा राज्य पर हमला किया और मुगलो को हरा के वापस लिया। इस दरमियान भामाशाह जीवन में दानवीर के रूप में लोगो के दिलो में बस गए। भामाशाह इस दानवीरता के कारण इतिहास में अमर हो गए। करोना काल के जिस दौर से हम सभी व्यापारी गुजरे है, उसे भुलाना शायद मुश्किल है।

एसईसीएल के निदेशक (वित्त) जी. श्रीनिवासन की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 30.06.2024 को कोलइण्डिया/एसईसीएल से सेवानिवृत्त होने वाले निदेशक (वित्त) श्री जी. श्रीनिवासन को एसईसीएल मुख्यालय प्रशासनिक भवन स्थित प्रांगण में आज दिनांक 29.06.2024 को अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेमसागर मिश्रा, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एस.एन. कापरी, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री फ्रेंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास, श्रद्धा महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती पूनम मिश्रा, उपाध्यक्षागण-श्रीमती जी. राजी श्रीनिवासन, श्रीमती संगीता कापरी, श्रीमती अनीथा फ्रेंकलिन, निदेशक (वित्त) श्री जी. श्रीनिवासन के पुत्र श्री विग्नेश श्रीनिवासन एवं श्री वैशाख श्रीनिवासन, विभिन्न विभागाध्यक्षों, क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक/महाप्रबंधकों, एसईसीएल संचालन समिति, सुरक्षा समिति, कल्याण मण्डल के पदाधिकारियों, सिस्टा/कौंसिल/ओबीसी पदाधिकारियों, सीएमओएआई एवं विभिन्न श्रमसंघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में भावभीनी विदाई दी गई।

इस कार्यक्रम में स्वागतोपरांत निदेशक (वित्त) श्री जी. श्रीनिवासन ने कोलइण्डिया में अपने तीन दशक से अधिक सेवाकाल के दौरान सबके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कोयला क्षेत्र की चुनौतियों को स्वीकार कर अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध होते हुए निरंतर कार्यरत रहने से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने कार्य के दौरान सफलता के लिए कर्तव्यपरायणता एवं समयबद्धता को आवश्यक मूलमंत्र बताया। उन्होंने आने वाले समय में एसईसीएल के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने एसईसीएल में बिताए अपने पलों को साझा करते हुए एसईसीएल द्वारा दिए गए इस आत्मीय सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेमसागर मिश्रा, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एस.एन. कापरी, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री फ्रेंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास ने अपने-अपने उदबोधन में श्री जी. श्रीनिवासन की नम्रता, मिलनसारिता, आत्मीयता, कर्मठता, प्रेरणादायक नेतृत्व, प्रबंधकीय कौशल, नवीनतम प्रौद्योगिकी के उपयोग, बैठकों में कम्पनी के समक्ष आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए तर्कपूर्ण सुझाव एवं त्वरित निर्णय क्षमता आदि का उल्लेख करते हुए उनके साथ कार्य के दौरान आए अनुभव को सबके साथ साझा किया। सभी ने श्री श्रीनिवासन के कम्पनी को अपना विजन प्राप्त करने, समर्थ बनाने तथा विभिन्न नीतिगत निर्णय लेने के लिये बोर्ड को कारगर सुझाव उपलब्ध कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, वित्तीय प्रबंधन के पूर्ण विस्तार के दायित्व के बखूबी निर्वहन करने, वित्तीय संसाधनों के समुचित संग्रहण, निधि की अनुकूलतम उपयोगिता, बजट नियंत्रण और वांछित कार्पोरेट उदेश्यों एवं कम्पनी की लाभदायकता मापदण्डों को प्राप्त करने के उनके प्रयासों का उल्लेख किया। सभी ने उनके सेवानिवृत्ति उपरांत सपरिवार सुखमय भविष्य की ईश्वर से कामना की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन श्री सीडीएन सिंह क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक दीपका क्षेत्र ने दिया। कार्यक्रम में मानपत्र का पठन उप महाप्रबंधक (वित्त) श्री आनंद बक्षी ने किया, जिसे अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं निदेशक मण्डल द्वारा श्री श्रीनिवासन को भेंट किया गया। कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग द्वारा संग्रहित फोटो एलबम एवं प्रेस कतरने प्रस्तुत की गयी जिसे निदेशक मण्डल द्वारा श्री जी. श्रीनिवासन को भेंट किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (कार्मिक/औसं) श्री वरूण शर्मा एवं प्रबंधक (सीएमसी) सी. अनुराधा ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापित जनसंपर्क अधिकारी डा. सनीश चन्द्र ने किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354